

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I--खण्ड 1
PART I---Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

tf. 97] No. 97] नई विल्ली, बुधवार, मई 27, 1992/उपैन्ड 6, 1914

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 1992/JYAISTHA 6, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह असग संकाशन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(निर्यात व्यापार नोटिस)

मार्वजनिक स्चना सं 3-ईटीसी (पीएन)/92-97

नर्ड विल्ली, 27 मई, 1992

विषय निर्यात-प्रायात नीति, 1992--1997 परिष्कृत धमड़े का निर्यात।

फा. मं. 1/36/90-ई-I — प्रायात-निर्यात (नियत्नण) श्रिधिनियम, 1947 की धारा 3 के अंतर्गत प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, मुख्य नियत्नक, स्रायात-निर्यात, निर्यात-स्रायात नीति, 1992—97 के श्रष्ट्याय-16 के भाग-5 के पैरा 162 की कम सं. 16 में उल्लिखित "मभी प्रकार के परिष्कृत चमडे" प्रविधि है प्रयोजित के लिए एतद्वारा यह विनिधिट करते है कि नीचे दी गई सारणी के कालम 2 में उल्लिखित मदों में "परिष्कृत चमडे" शाभिल होगे और दनका निर्यात लाइमेस के बगैर भी किया जा सकता है, बशर्ते कि नीचे दीगई सारणी के कालम में विनिधिट प्रत्येक मद के सामने उल्लिखित शर्तों का पालन किया जाये:—

ऋभ स		मद का विवरण	विनिर्माण मानदण्ड की शर्ते	
1		2		
1.	च्रगं हे,	नामग		
	(1)	क्लोदिंग लेदर गाय श्रीर मैस की खाली तथा गाय केबछडे की खाल से	क्रोम/सम्मिश्चित शोधित, मुलायस स्रौर कपड़ें से श्राच्छादित होगा।	

(ন্ম)

2

स्वेद वजी त्म/स्वेर मार्मेट वेदर

- (क) येन क्लोदिग/क्ला क्लोदिग/जिंकत/जैटिकेदर्ग लुम के रंग। जायेना और संरक्षित लेप मे परिष्कृत किया हुआ होगा जिसके विनिर्माण मे निम्नलिखित न्यूलतम क्रियाएं शामिल होंगी, सामण्यास्य
 - (क) परार्थ को यिधक में अधिक 0.2 मि.मी. के श्रन्तर में, यदि प्रन्थया विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी श्रथवा हाइड के गमी हिस्सों में, पेट श्रौर नालीदार हड्डियों को छोड़कर समतल करना.

3

- (ভ) रगार्ट करना : सिथेटिक (कोल तार) आई(यों) से चमड़े को सेसा-বিব কংলা খ্रীर इस प्रकर भध्यम/गहरी शेष्ठ देना;
- (च) मणीनी माधनों में मांसल साइड साफ करना;
- (छ) भरका नेप:
- (ज) म्ल्यम्या लगाना/नक्काशी करना;

अयवा प्रेस करना/पालिण करना:

(ई. ब्राई. स्टाक सं चनड़े के मामले में मिश्रित चर्मशोधन की संक्रिया भी शामिल होगी)

हुम से में रंगे जावेंने जिस पर मांसल माइड पर स्वेद नेप होगा। ग्रेन साइड की और छतन की जाएगी/अथवा तराणा जाएगा। इसके निर्माण कार्य में निम्नलिखित स्यूनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी, प्रयोग ——

- (क) पदार्थ को प्रधिक ने प्रधिक 0.2 मि. मा के अंतर मे, यदि प्रत्यथा विशिष्टकृत न किया गया हो, चमड़ी प्रयवा हाइड के सभी हिस्मों में पेट और नालीदार हिंदुयों को छोड़कर सभतल करना;
- (व) मिथित गोधन;
- (ग) रंगाई: चमईं को सिथेटिय कोलतार डाई(यों) से संसाधित करना जो इस प्रकार मध्यम/महरी शेंड देता हो।
- (घ) वृशा लगानाः
- ' (७) गैटिंग करना;
 - (च) स्केटि।/बोडिंग करना;ें
 - (छ।) छाम नेप बनाने के लिए बाफिस;
 - (ज) ड्राडी हमिग/प्रण व्हीलिग/णुष्क बिकिंग के द्वारा स्वेद लेप तैयार करना.
 - (झ) थेन को छो ।ना ग्रीरगहराई मे तराशना, १
- . (2) बजरी श्रीरंभेट्रागिया ४ में
- (क) क्लेज्ड गार्मेन्ड/क्लेज्ड तथ्या ने इस
- हम में रंगा जाएगा और संरक्षी लेप से परिष्कृत होगा और वसकीला भुवायम स्थि। गया होगा और श्रावरित होगा जिसके निर्माण में निर्माविधित न्युनतम निर्माण प्रक्रियाएं शामिल होंगी :---
- (अ) पदार्गको श्राजिक प्रधिक 0.2 मि.मी. के अन्तर में यदि अन्यथा जिलिष्टिका न किया गया हो, चमड़ी अथवा खाल के सभी हिस्मों में पेट और नलीदार हिंहुयों को छोड़कर समतन करना;

- (य) मिथिन शोरन,
- (4) रगाउँ वन्ये को सियेटिक (कोतनार) डाई(यो) से ससाधित करना जा उस प्रकार मधान/गहरा छोड देना हो, प्रथवा चमडा हत्के रंग में रगा गया हो ग्रोर काम वनस्पित/काम्बीनेशन से गोजिन किए हुए पाकीशर नगाउँ के रग में स्पष्ट राण संग्रावन हो,
- (ध) बसाल । ना,
- (ड) महिंद करना
- (च) म्टेशिय/बार्डिय करना,
- (छ) मशीनी यात्राों से शासत माइड को माफ करना,
- (ज) सरशी नेप,
- (ा) चाकाना,
- (ख) ग्रेन प्रयक्ता नव्या गार्मेन्ट/क् नोदिग जिंका केन्र

2

्रा में रा। तार्ता, नुतास किया जाएगा योर प्राविता होगा सरक्षा लेप परिकृत किया ठोगा जिसके निर्माण में निस्नितिवित न्यक्तम प्रांतपर गामित होगी, यर्थात् --

ण्दार्थ या प्रतिक न प्रिक्त 0.2 मिमा. के ग्रन्तर पे, यदि श्रत्यपा क्रिजिटकृत । किस गया ठो, तपडो प्रथपा खान के सभी हिस्सो म प्रार नतीसर हड्डियो का छोडकर समत्त्व करना;

- (1) रंगी वर्षी में प्रसाबित करना जो उस प्रकार मध्यम/गहरी शेव देता हो, अथवा जसहा हरके रंग में रंग प्रा हो और कोए जनगणि/काम्बीनेशन से शाबित किए गए प्रशिश्तर प्रश्च के शाबित किए गए प्रशिश्तर प्रश्च के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के
- (ग) वसा नगाना
- (प) तीटन भरना,
- (उ) स्टिकः। विचित्र करना,
- (त) मगीभी बाबरा ने भागत माट्ड बाद हराह,
- (छ) सरक्षों लेप लगाना,
- (अ) मुलम्मा लगाना/विकारी करना,

श्रयवा

प्रेप करना/पालिश करना. (ई आर्ट. स्टाक से चमडे ले मामने में मिश्रित शोधन की सांत्रा भी शामिल होगी)

(ग) स्वेद नलोदिग/म्वेद गार्नेट णाटग स्वेद

्रम मे रगे जाएगे जिस पर मानत साउड पर नेत होगा/ मुलायस हागा ओर उसम प्राप्तरण ठागा। प्रेन साइड का छीलन की जाएगो, ओर/यप्रया तरासा जाएगो।

इस र निर्माण कार्य म निम्नर्थित । न्यूनतम प्रक्रियाए शामिल होगो,

(क) पदार्थ को अन्त्रक स प्राप्तक 3.3 भि.सी. के अन्तर से, यदि अन्यपा विक्रिक्तिन न किया गया हा,

चमड़ी अथना रात र सभा हिस्या म पट और नवीदार हिंडुयो को छोड़कर समतल करना,

2

3

- (ख) मिश्रित शोधन,
- (ग) रगाई चमके को सिथेटिक (कोलगार) डाई(यो) सं समाधित करना जो इस प्रकार मध्यम/गहरो शेंड देना हो,
- (घ) वसालगाता,
- (इ) सैटिंग करना,
- (च) स्टेकिग/बोडिंग करना,
- (छ) स्वेद नेप तैयार करने भा लिए बाफिंग,
- (ज) द्रमिग/फलणा व्होलिग/तैयार करतस्त्रेह नप प्रताना,
- (झ) ग्रेन को छीलना/गहराई से ताराणना-

श्रामतार पर श्रलग-ग्रलग नमृनो श्रीर गोडो के माथ ग्रेन माईड पर रग किया जाता है। मुलायम बनाया जाता है। इसके निर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाए शामित होगी, ग्रथात ---

- (ग) ब्हार्थ को अधिक से अधिक 0 2 मि मी के अन्तर से, यदि अन्यया विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमडी अथवा खाल के मनी हिस्सों में पेट और नजीदार हिंदुउयों को छोडकर समतल करना,
- (ख) मिथित शोधन;
- (ग) रगाई चमडो को सियैटिक (कोलतार) डाई(यो) से संसाधित करना जो इस प्रकार सध्यम गहरी णेंड देताहो,
- (घ) वसा लगाता,
- (इ) मैंदिग करना;
- (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना,
- (छ) मशीनी साधनों से मासल साईड को माक करना।

विभिन्न नमूनो श्रीर शेडो सहित मासल साईड पर मुलायमी रंगाई की जायेगी मुलायम होगा श्रीर इस पर श्रावरण होगा श्रीर स्वेद नेप होगा। ग्रेन साईड को छीना जायेगा श्रीर श्रावा तरावा जायेगा। इसके निर्माण मे निस्तलिखिन न्यूनतम प्रक्रियाए शामिल होगी, श्रर्थान् —

- (क) पदार्थ को अधिक मे अधिक 0.2 मि.मी के अन्तर में यदि अन्यया विशिष्टिकृत न किया गथा हो, चमडी अथवा खाल के मभी हिस्सो में पेट और नलीदार हडि्डयों को छोड़कर, समतन करना,
- (ख) मिश्रित शोधन काम्बीनेशन⊸
- (ग) रगाई चमडे को सिथेटिक (कालतार) डाई (या) से समाबित करना जो इस प्रकार मध्यम/गहरी शेंड देता हो,
- (घ) वसा लगाना,
- (इ) सैंटिंग करना,
- (च) स्टेकिंग/बोडिंग करना,

- (घ) टाई धौर डाई लेदर
- (1) ग्रेन फिनिएड

(2) स्वेद फिनिश्ड

- (छ) स्वेद नेप बनाने के लिये बर्फिंग,
- (ज) ब्राई ड्मिंग/प्त्रण व्हीलिंग/विभिःग द्वारा स्वेद नेत तैयार करना,
- (झ) ग्रेन को छीलना/गहराई से तराशना।
- बकरी के बच्चे मेमने/भेड़/बकरी की खाल में बना हुआ और श्राम-तौर पर कोम/श्रत्यूमिनियम/मिश्चिन शोधन किया हुआ मुलायम और लचीले आधार (रन) के बिना फैलाने योग्य होगा। न्यूनतम रन 25 % होगा। मोशई 1 मि.मी से ज्यादा नहीं होगो। एक स्तर तक और समान शेड में रंगा जायेगा और ग्रेन पर मखमत्री ब्हीन किया जायेगा । इसके निर्माण में निम्नलिखिन न्यूनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी अर्थान् :---
- (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मि.मी. के अन्तर से, यदि अन्यया विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी अथवा खाप के सभी हिस्सो में पेट और नजीदार हिड्डयों को छोड़ कर समतल करना,
- (ख) रंगाई: जमड़े को सिर्थटिक (कोलतार) डाई(यों) से संसाधित किया जाए जो इस प्रकार मध्यम/गहरी शेड देता हों, प्रथवा

चमड़ा हरके रंग में रंगा गया हो श्रौर क्रोम बनस्पति/काम्बी-नेशन से शोधित किये गये पपडीदार चमड़े के रंग से स्पष्टकस्प से श्रलग हो ।

- (ग) वसा लगाना,
- (घ) स्टेंकिंग/बोर्डिंग करना,
- (ङ) मगीनी साधनों मे मामल साईड साक करना,
- (च) प्रेस करना/पालिश करना,श्रथवा

प्लश व्हीलिंग,

ऐसे चमखे की ऊपरी सतह पर मोम का मुलम्मा बढ़ा होना चाहिये।

ड्रम में एक स्तर तक भेदन तक एक सवान रंगा जायेगा और इसके मांगल साईड पर नेत्र होगा ग्रेन माईड छीली जायेगी और/ अथवा तराशी जायेगी।

इसके निर्माण मे निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रिया शामिल होगी, ग्रर्थात् :---

- (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मि.मी. के अन्तर से यदि अन्यया विभिष्टिका न किया गया हो, चमड़ो अथव खाल के सभी हिम्सो मेपेट और नलीदार हड्डिया का छाड़ कर, समतल करना,
- (ख) भिश्रित शोधन,
- (ग) रंगाई: घमडे को मिथेटिक (कीनतार) डाइयों से संपाधित करना जो इस प्रकार मध्यम/गहरी णेड देता हो,
- (घ) वसा लगाना,

- (2) दस्तानों का चमड़ा
 - (i) वदीं के दस्तानों/फाइन दस्तानों के लिये चमड़ा

(क) ग्रेन फिनिशड

(ख) स्वेद फिनिषड

2

- 3
- (इ) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना,
- (च) स्वेद नेय तैयार करने के लिये बिफग,
- (छ) ड्राई ड्रॉमंग/प्लण व्हीलिग/बर्फिंग द्वारा स्वेद नेप तैयार करना,
- (ज) ग्रेन को छीलना/गहराई तक तराशना,
- अकरी के बच्चे/मेमते/भेड़/बकरी/गाय के बछड़े की खात से निर्मित और स्नामतौर पर क्रोम/श्रत्यूमिनियम/काम्बीनेशन से णोधित किया हुग्रा । पदार्थ में एक रूपता होगी और यह मुलायम होगा । ड्रम में रंगा हुन्ना और संरक्षी लेग में परिष्कृत किया होगा ।

डमके निर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रिक्षियाएं शामिल होगी, अर्थात् :--;

- (क) पदार्थ को ग्राधिक से श्रश्चिक 0.2 मि.मी. के अन्तर से, यदि अन्यया विशिष्टिकृत न किया गया हो चनड़ी अथवा खाल के सभी हिस्सों में पैट और नलीदार हिड्डयों को छोड़ कर समनल करना,
- (ख) रंगाई: चमडे को निथेटिक (कोलतार) डाई(यो) से संसाधित करना जिससे कि वह मध्यम/गहरी शेड देता हो,
- (ग) बमा लगाना,
- (भ्र) स्टेकिंग/बोडिंग करना,
- (ङ) मशीनो साधनों से मांसल साईड तैयार करना,
- (च) सरक्षी लेप करना,
- (छ) मुलम्मा लगाना/नवकशी करना, ग्रथवा

प्रेस करना/पालिण करना ग्रथवा

ल्लग ध्होलिंग, (ई ग्राई स्टाक के चनड़े के मामले मे कॉम्ब्रानेणन टैनिंग के कार्यभी शामिल होंगे)

र्टीनग के कार्य भी शामिल होंगे)
पदाध के नल में एक रूपता होगी और यह म्लायम होगा।

पदाध के तल म एक रूपती होगा और यह मुलायम होगा। इम में रेगा जायेगा और मरक्षी लेप से परिकृत होगा जिसमें गाय और भैस की खाल की पट्टी भी शामिल होगी। इस में रेगा जायेगा जिसमें लेबल शेड समान रूप हो जिसमें मामल माईड पर स्वेद लेप होगा। ग्रेन साईड को छीला जायेगा और/श्रथवा तराशा जायेगा।

इसके निर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएं गामिल होगी, श्रयत्:---

(क) पदार्थ को अधिक मे अधिक 0.2 मि.मी. के अन्तर में, यदि अन्यथा विधिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी अथवा खाल के मभी हिस्सों में, पेट और नलीदार हिड्डियों को छोड़कर ममतल करना,

- (ii) जनोषयोग में लाये जाने वाले दस्तानों का वसड़ा
- (क) ग्रेन फिनिशड

(ख) स्वेद फिनिएड

- (ख) रंगाई: चमड़े को नियेटिक (कोलतार) डाई (यों) से संसाधित किया जायेगा जिससे कि मध्यम/गहरी शेड देता हो,
- (ग) यमा लगाना,
- (घ) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना,
- (ছ) स्वेद नेप तैयार करने के लिये बर्फिंग,
- (च) ड्राई ड्रमिग/प्लश व्हीलिंग/बर्फिंग द्वारा स्वेद नेप तैयार करना
- (छ) ग्रेन को छीलना/गहराई से तरागना। (ई.श्राई. स्टाक के चमडे के मामले में काम्बीनेशन टैंनिंग की प्रक्रिया भी शामिल होगी।

(iii) औद्योगिक चमड़ा

न्नामतौर पर बकरी/गाय के बछड़े/भेड़ों की निम्य श्रेणी की खाल से बनाया गया। क्रोम/मिश्रित रूप में कमाया गया और 100 डिग्री में. पर 15 मिनिट तक उबैलिने की जांच किये करने के बाद 3% में ज्यादा नहीं सिकुड़ेगा। क्रोम की मावा सी.श्रार. 203 न्यूनतम 2.5% जो 14% नमी पर श्राधारित होगी।

पदार्थ न्यूनतम 0.5 एम.एम. लेकिन 0.6 मि.मी. से ग्रिप्टिक नहीं होगा। जहां इस पदार्थ में एक मि.मी. तक 100 खण्ड होंगे वहां इसकी जाच श्रीसीजन गेज से की जायेगी। इसके निर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी, ग्रर्थात्:---

- (क) पदार्थ को श्रधिक से श्रधिक 0.2 मि.मी. के श्रन्तर से, यदि श्रन्यथा विशिष्टिकृत .न किया गया हो, चमड़ी ग्रथवा खाल के सभी हिस्सों में पेदे और नलीवार हिड्डियों को छोड़कर समतल करना,
- (ख) मिश्रित रूप से शोधन,
- (ग) यसा संगाना,
- (घ) सेटिंग करना,
- (इ) स्टेरिकग/बोर्डिंग करना,
- (च) मंगीनी साधनों से मांसल साईड सापा करना.
- (छ) ग्रेन को छीलना/गहराई तक तराशना।

(iv) लाइनिंग लैंदर

(क) गाय और भेंस की खालों और गाय ने बछड़ों की खालों से ग्रेन फिनिणड लाइनिंग जैदर

श्रामतौर पर कोम/वनस्पति/मिश्रित रूप से गोधित किए हुए। मोटाई
1 मि.मी से श्रिधिक नही होगी।

संरक्षी लेप में परिष्कृत किये जायेंगे। इनके निर्माण में निम्नलिखित न्युततम क्रियाएं जामिल होगी, प्रथात :---

(क) पदार्थ को श्राधिक से श्रिधक 0.2 मि.मी. के भ्रान्तर से, यदि श्रन्थण विशिष्टिकृत म किथा गया हो, चमड़ी श्रथवा खाल के सभी हिम्मों में पेट और नलीदार हिड्डियो को छोड़कर समतल करना,

3

- (ख) रंगाई : डाइंग सिथ चमड़े को सिथेटिक (कोलक्षार) डाई (यों) से संसाधित करता, जिसमें कि मध्यम/गहरी गेंड देता हो, अथवा
- चमड़ा हलाँ रंग मे रंगा गया हो और क्रांग वनस्पित/काम्यो-नेणन से शोधित किथे गये पपड़ोदार चाड़े के रंग से स्पष्ट रूप से प्रतग हो,
- (ग) बना लगाना,
- (घ) मैटिंग करना,
- (ङ) स्टेकिग/बोर्डिंग करना,
- (च) मशीनी साबनों से मांसल साईड साफ करना,
- (छ) सरक्षी लेप लगाना,
- (ज) चमकाना,

श्रयवा

मलम्मा लगाना/नक्काशी करना,

(ई फ्रार्ट स्टाक के चमडे के भागले में काम्बीनेशन टेनिश की किस भी शामिल होगी)।

ताट केवल गाय की चक्ष्ड़ी/साईड लैंदर्स के मामले में नार्मय (छ) के प्रचालन स्पर्धात् सरक्षी लेप नहीं लगाया जायेगा। रगाई के लिये चमड़े की मिथैंटिक (कोलतार) डाई(यो) में ट्रीट किया जाये, इस प्रकार मध्यम/गाई। णेंड दी जाए।

श्रीमतौर पर कोम/बनस्पति/कार्म्बानेशान से कमाया गया। सरक्षी लेप से परिष्कृत किये जायेगे। इसके निर्माण कार्य में निम्त-लिखिन न्युनतम कियाए शामिल होंगी, श्रर्थातु ---

- (क) पदार्थ को अधिक से ग्रधिक 0 2 मि मी. के ग्रन्तर से; यदि ग्रन्यथा विणिष्टिकृत न किया गया हो, चमडी ग्रथचा खाल के सभी हिस्सो मे पेट और नलीदार हड्डियो को छोडकर, समनल करना,
- (ख) रगाई . सिथेटिक (कोलतार) डाई (थो) से ससाधित चमारा जिसके कि मध्यम/गहरी शेड देता हो, श्यवा

हत्के रग में रंगा गया हो और कोम/बनस्पति/कांबीनेशन से कमाये गये पपडीदार चमड़े के रंग से स्पष्ट रूप से भ्रालग हों,

- (भ) वसा लगान।,
- (घ) सेटिंग करना,
- (३) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना,
- (च) मशीनी साधनों में मांसल साईड साफ करना,
- (छ) सरक्षी लेप लगाना,
- (ज) चमकदार बनाना,

मधना

भलम्मा लगाना/नक्काणी फरना, (ई. श्राई. स्टाक के चमडे के मामले मे काबीनेशन टैनिंग की किया भी शामिल होगी)

(2) बसरी/बाहरी का बच्वा/मेमना/भेड की खाल मे (1) ग्रेन फिनिशड लाईनिंग लैंदर

होंगी :---

2

2. (ii) हील ग्रिप स्वेद लाइनिंग लैंदर

- अति। अतिनेशन टैन्ड और ड्रम द्वारा रंगी गई होगी और मांस की साइंड पर स्वेद नैंप उचित कोमलता के साथ हो। ग्रेन शेत/स्तफ किया गया हो। इसमें निम्नलिखित क्रियाएं शामिल
 - (क) +0.2 मि.भी. की सहनणीलता से समतल करना,
 - (ख) कांबीनेशन ट्रेनिंग
 - (ग) रंगाई सिथेटिक (कोलनार)
 - (घ) डाई(यो) में मसाधित चमड़ा जिससे कि मन्यम /गहरी शेड देता हो।
 - (इ) वसा लगाना
 - (च) मैटिंग
 - (छ) स्टिकंग/बोर्डिंग
 - (ज) स्वेद नैप तैयार करने के लिये बर्फिंग करना
 - (झ) ग्रेनस की शेविंग/स्नर्फिंग करना
 - बकरी/भेड़ की खाल से तैयार किया गया जिससे खण्ड करके अथवा छील कर ग्रेन अलग किया जाता है। फिश के श्रावसीजनीकरण समुद्री और/या सिथेटिक तेल का या तो अकेले पूर्ण श्रायल (ग्रेमोइस) सहित प्रिक्रिया द्वारा ग्रोधम या प्रथम अल्डीहाइड किया गया हो ग्रोधन तथा फिर इसी प्रकार के तेल (ग्रेमोइस संतमिश्रण) की चिक्रनाई रहित बनाया जायगा, ग्रुष्क किया जायगा तथा दोनों तरफ बफ किया जायगा ताकि नैप तैयार किया ज'एगा। उसे यथासंभव धूल कणों से मुक्त रखा जाएगा। विनिर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम किया समाविष्ट होंगी, नामशः
 - (क) पदार्थ को ग्रिधिक से ग्रिधिक 0.2 मि.मी. के ग्रन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी भ्रथवा खाल के सभी हिस्सों में, पेट और नलीदार हिड्डयों को छोड़ कर, समतल करना,
 - (ख) स्टकिंग/बोर्डिंग करना,
 - (ग) स्वेद नैप तैयार करने के लिये विफग करना।
 - (घ) ग्रेन को छीलन/गहरी तराश करना,
 - वस्त्र, पी.बी.सी. यो यूरेथेन अन्तरण फिल्मों से लैंभिनेटिड कोम/कंबीनेशन से शोधित खंडित कभी-कभी एकिलिक या नाइट्रोमेल्यूलोज फिल्मों को भी प्रयोग किया जाता है । उन पर अन्त में मुलम्मा चढ़ाया जाता है या नक्काशी की जाती है। विनिर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम किया समाविष्ट होगी, नामणः
 - (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मि.मी. के अन्तर से, यदि अन्य प्रकार में विशिष्टकृत न किया गया हो, जमड़ी अथवा खाल के सभी हिस्सों में, पेट और नालीदार हडि्डयों को छोड़कर, समतल करना,
 - (ख) वसा लगाना,
 - (ग) सैटिंग करना,

- 5. विविध किस्म के चमड़े
- (1) शैमोइस लैंदर

(2) लैमिनेटिड लंदर

(3) स्कीन/ब्ल,क लैंदर्भ

2

3

- (ध) स्टकिंग/बोडिंग करना,
- (ङ) यांत्रिके साधनो ने मासल साईड को साफ करना,
- (व) संरक्षी लेप लगाना,
- (छ) मुलम्मा चढाना चढाना/नक्काणी करना, (ई.स्राई. स्टाक के चमडों के मामले मे कंबीनेशन टैनिंग की किया भी ममाविष्ट होगी)।

मभी प्रकर की खाल भौर चमड़ियों या ट्रुकडों से बनाया जाता है भीर सामान्यतमा कोम/वतस्पति/कंबीनेशन से शोधित किया जाता है। स्त्रीन भ्रथवा ब्लांक से पिट किया जाता है। कोलतार डाइज/ गिगमेंट का इस्तेमाल करके ग्रेन या स्वेद साइड पर डिजाइनों में मुद्रित किया जाता है। इस ढंग से तैयार किया नाता है कि वह स्रार्द्र ग्रीम एव्य घिसायट में नेज हो।

- (क) ग्रेन साइड पर विनिर्माण में निम्नलिखित च्यूनलम क्रिया समान विषेट होगी, नामण :
 - (क) पदार्थ को अधिक ने अधिक 0.2 मि.मि. के अन्तर मे. यदि अन्यया विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी श्रथवा खात के सभी हिस्सों में, पेट और नलीदार हिंदुयो को छोड़कर, समतल करना,
- (ন) रंगाई मिथेटिक (कोलनार) ंग स मोधिन अमड़ा जो इस प्रकार मध्यम/गाड़ो मोड दें।

या

गंगाई हल्के रंग से रंगे हुए तथा श्रोम/वनस्पति/कंबीनेशन शोधित पपडीदार चमडे के रंग में स्पष्ट रूप से भिन्न।

- (ग) वसालगाना,
- (घ) मेटिंग करना,
- (क) स्टेकिग/बोडिंग करना,
- (च) यान्निक साधनों से मासल साइड नैयार करना।
- (छ) मंरक्षी नेप,
- (ज) चमकाना,

था

मुलम्मा चढ़ाना/नक्काणी करना, (ई.आई स्टाक वाले चमड़ों के मामलों भे कंबीनेणन टैनिंग त्रिया को भी समाविष्ट किया जाएगा।

- (ख) स्वेद साइड पर विनिर्माण में निम्नलिखिन न्यूननम क्रिय। समाविट होगी, नामशः
 - (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मि.सि के अन्तर से यदि अन्यथा विणिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी अथया, खाल के सभी हिस्सों मे पेट और नलीदार हिंदूयों को छोड़कर, समतल करना,
 - (ख) मिश्रित णोधन,
 - (ग) सिथेटिक (कोलतार) रग से गोधित असडा जो इस प्रकार सध्यम/गाठी शेड देता हो ।

aτ

रगाई: हल्के रंग से चमड़े तथा क्रोम/वतस्पति/कंबीनेशन टेंड कस्ट लेदर कलर से स्पष्ट रूप से भिन्न, _____

2

(4) फ्नाक प्रिटेंड ले अ

3

- (घ) वसा सगाना
- (इ) संदिग करना,
- (च) स्टेकिंग/वोधिंग करना,
- (ত) स्वेद नैप नैयार करने के लिए बफिंग करना
- (ज) ड्राई द्रमि॥/प्लाश ह्योलिग/सफिग द्वारा एक स्वेद नैय तैयार करना,
- (झ) ग्रेन की छीलना/गहराई तक नराशना।

मनी प्रकार की त्याल और चमड़ियों, हिस्सों से बना हुया छीर सामान्यतया कोम/बनस्पति/कबीनेशन शोधित फ्लाक प्रिटेड ग्रेन या स्वेद पर मिथेटिक फाइबर्स (प्लाक्स) के साथ उपयुक्त तकतीका से मुदिरा।

- (क) ग्रेन पर विनिर्माण में निम्निलिखित न्य्नतम किया समायिष्ट होंगी नामणः
 - (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मि.मि. के अन्तर से, यदि अन्यया त्रिणिष्ट हात न किया गया हो जगडी या खान के सभी भागों में पेट और नालीवार हिड्डियों को छोड़कर, समतल करना,
- (स) रंगाई: सिथेटिक (कोलतार) रंग से णोधित चम्च जी। इस प्रकार भध्यम/गढी केट देता हा,

यर

रगाई : हन्के रग से रंगे हुए जमड़े ग्रीर कोम/बनम्पति/ कर्बानेगन टैंड अस्ट लेवर फलर से बिल्क्ल भिन्न,

- (ग) वसालभाना
- (घ) महिल करना,
- (छ) स्टेकिम विधिम करना,
- (च) याज्ञिक सामनो से मासन साइट को साक करना/ (ई. प्राई स्थाक के चमड़ों के मामले में कबीनेशन टेनिश को किया भा समाधिष्ट होगी।
- (ख) स्तेद साइष्ट पर विनिर्माण में निस्निलिखन न्यूनतम क्रिया समाविष्ट होगी, नामणः
 - (क) प्रदार्थ को अधिक मे प्रधिक 0.2 मि.मि के ग्रन्तर ने, यदि ग्रन्थया विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमडी ग्रथवा गाल के मनी हिम्मों मे पेट ग्रौरनतीदार हिंहुयो को छोड़ कर समाल करना,
 - (ख) कंबानेशन देनिम
 - (ग) रंगार्ड : सिवेटिक (कीलनार) रंग से शोधिन समझ जो इस प्रकार मध्यम/गाढ़ो शेष्ठ देना हो, श्रथवा रंगार्ड हल्के रंग से रंगे हुए चमड़े नथा श्रोम/वनस्पति/ कबोनेसन टैट ऋस्ट लेदर कलर से बिल्कुल भिन्न।
 - (घ) वसालगाना,
 - (ङ) में टिग करना,
 - (चं) स्टेलिग/बोडिंग करना

2 (छ) स्वेद नैप तैयार करने के लिए अफिंग करना, (ज) बाई दुभिग/प्लाश ह्वीलिग/बिफिग द्वारा एक स्वेद नैप नैयार (झ) ग्रेन को छीलना/गहराई से तराणना। सभी किस्मो की खाल तथा चभडियो या हिस्सो से बनाया गया ग्रीर न ।काशी वाले चमडे (5) सामान्यतया क्रोम/वनस्यति/कबोनेशन शोधित। जिसमे पूर्ण ग्रेन या संशोधित ग्रेन हो सकता है, सरको लेप से परिष्कृत किया जाएगा तथा उस पर नक्काशी की जाएगी। विनिर्माण में निम्नलिखित न्युनतम क्रियाए समाविष्ट होगी, नामश (का) पदार्थ को ग्रधिक से अधिक 0 2 मि मि के अन्तर से, यदि श्रन्यथा विणिष्टिकृत न किया गया हो, चमडी या ग्राल के सभी भागों में, पेट ग्रीर नालीदार हड़ियों को छोडकर, समतल करना, (छ) रगाई सिथेटिक (कोलतार) रग से शोधित चमडा जो इस प्रकार मध्यम/गाढी शेष्ठ देना हो स्वैच्छि है। (ग) वसा लगाना, (घ) सेटिंग करना, (प्र) स्टेकिंग /बोडिंग करना, (छ) (च) यात्रिक साधनो से मासल साफ करना, (छ) सरक्षी नेप, (ज) चमकता, ग्रथवा म्लम्मा चढ़ाना/नक्काशी करना, (ई ब्राईस्टाक के चमछो के मामले में कबीतेशन टैतिंग की त्रिया भी समाविष्ट होगी। ड्रम में रगे हुए होगे तथा पूल अप प्रभाव लाने के लिए मोम/तेल से (6) ध्ल-ग्रप लैदर्स परिष्कृत किए जाएगे और सरक्षो तेप से परिष्कृत होगे। इस गरक्षी लेप मे रग/पिंगमें इहा भी सकते हैं, नहीं भी हो सकते हैं। नीचे से सिकुडन दिखते हुए इसमें स्तर खिचाव का प्रभाव आएगा। निर्मुक्त होने पर चमडे का अपन मूल रूप में ब्राजाना चाहिए। वितिर्माण मे निम्नितिखित न्यूनतम कार्य समाधिष्ट होगे. नामश (क) पदार्थ को प्रधिक से प्रधिक 0 2 मि मि के प्रन्तर में यदि ग्रन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमडो ग्रथवा खाल के सभी हिस्सो मे, पेट श्रीर नालीदार हिंदूयो को छाडकर समतल करना, (ख) कबीनेशन टैनिंग, (ग) रगाई. सिथेटिक (कोलतार) रगा से शोधित चमडा जो इस प्रकार मध्यम/गाढ़ी भेड देता हो। (घ) वसालगाना, (ड) सेटिंग करना (च) स्टेकिंग/क्षोडिंग करना,

(6) णु अपर लेदर्स

लीन साइ इ लेदर्स

1. गाय और भैंस की खाल और बछड़ों की चमड़ियों मे

ऐनिलीन भैम के बच्चे/ऐतिलीन गाय के बछड़े/ऐनि-

3

- (छ) यांत्रिकी साधनों से मांसल माइड को साफ करना,
- (ज) संरंक्षी लेप,

जब तक कि श्रन्यथा विनिद्दिष्ट न हो, यह क्रोम/कंबीनेशन टेंड होगा। भूटवीयर के अपरी भाग के लिए संसाधित चमड़ा।

डूम रंजित और संरक्षी लैप में परिष्कृत जिस पर दाने दिखाई दें। विनिमणि में निम्नलिखित न्यूनतम ऋिया समाविष्ट होगी, श्रयीत्ः

- (क) गदार्थ को ग्रधिक में ग्रधिक 0.2 मि.मि. के अंतर से, यदि ग्रन्थथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी ग्रथवा हाइड के मभी हिस्मों में, पेट और नलीदार हड्डियों को छोड़कर समतल करना,
- (ख्र) कंबीनेशन टैनिंग,
- (ग) रंगाई: सिथेटिक (कोलतार) रग से णोधित चमड़ा जो इस प्रकार मध्यम/गाढ़ी शेड देता हो, या रंगाई: हल्के रंग से रंगे हुए चमड़े आर क्रोम/बनस्पति/ कंबीनेशन टिण्ड कस्ट लेवर कलर से बिल्कुल भिन्न,
- (घ) वसा लगाना,
- (इ) सेटिंग करना,
- (च) स्टेकिंग/बोडिंग करना,
- (छ) यांत्रिक साधनों से मांसल साइड को साफ करना,
- (झ) संरक्षी लेप;
- (ट) चमकाना; या मुलम्मा चढ़ाना/नक्काशी करना
- (1) सेमी एनिलीन/ऐनिलीन लुक/मांस ऐनिलीन साइड्म या बछड़े के चमड़े।

पूर्ण दाने या णोधित दाने का हो सकता है आर संरक्षी लेप से परिष्कृत भी हो सकता है।

विनिर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम श्रिया समाविष्ट होगी, श्रर्थात् :

- (क) पत्रार्थ को श्रधिक में श्रधिक 0.2 मि.मी. के श्रन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी या खाल के सभी हिस्सों, में पेट और नत्नीदार हिंदुयों को छोड़कर समतल करना;
- (ख) वाबीनेगान टीनग;
- (ग) रंगाई: सिथेटिक (कोलतार) रंग संशोधित चभड़ा जो इस प्रकार मध्यम/गाढ़ी गेड वेता हो, श्रयवा रंगाई: हरू रंग से रजित चमड़े और फ्रोम वनस्पति/कंबीनेशन टैण्ड फ्रस्ट लेदर कलर से बिल्कुल भिन्न;
- (घ) तसालगाना;
- (ङ) सॅटिंग करना ;
- (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना ;
- (छ) यांत्रिक साधनों से मास साई इको साफ करना ;
- (ज) संरक्षीलेप ;
- (इा) चमकानाः ;

या

मुलम्मा चढ़ाना/नक्षणाणी करना :

3

(2) सफोद/हल्का सफोद च मड़ा

पूर्णस्वप से बाल साफ किया हुया और सरक्षी लेग से परिष्कृत : इसके विनिर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएँ शामिल होगी; श्रर्थात्

- (क) पदार्थ में यदि अन्यया 0.2 मि.मी के अन्तर से यदि अन्यया विशिष्टिकृत न किया गया हो, चनडी अथा हाईड के सभी हिस्सों में पेट और नाजीदार हिंडुयों की छोड़कर समतल करना
 - (प) मिथित चर्मणोधन
 - (ग) वसालगाना.
 - (घ) मैटिग;
- (ष) स्टेकिग/बोर्डिंग,
- (च) मगीनी साधनों में साफ भास साइड साफ बी नवी हैं।;
- (छ) पंरक्षी लेव;
- (ज) मुलम्मा चक्राना/नक्षामी करना पत्रवा प्रोम करता/पीतिम करना,
- (ख) बाक्स/बिल्लों/क्रनई काफ और साईड लैंदर
- हुम में रता गया हो। और संरक्षी लेंग में तैयार किया गया हो। इसके विनिर्माण में न्यूनतम निम्नलिखित न्यनतम प्रक्रिपाए, णामिल होगो, नामण: अधिक से अधिक।
 - (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मिमी भ अत्तर ने, यदि अन्यया विणिष्टकृत म किया गंपा हो, जसड़ी अथवा साउड ने सभी हिस्सा में, पेट और नालीदार हड्डियों को छोडकर समतंत्र करना
 - (ख) मिश्रित चर्मणांधन;
 - (ग) रगाई करना, मिथेटिक (कोल तार)डाई/यों से चमई को सप्ताधित करना, और इस प्रकार मध्यम/गही शेड देना,
 - (ध) वसा लगाना;
 - (इ) सैटिगकरन(;
 - (च) स्टेकिग/बोर्डिंग करना,
 - (छ) मंगीनो साधनों से मास साईड साफ की गई हो ;
 - (ज) संरक्षी/लेप करना ,
 - (झ) मुलस्मा घढ़ाना/नक्काशो करना;

- (ग) रंटान/करेक्टिड ग्रेन/पभी-क्रोम प्रगर तैदर्भ
- ्यूग रूप में माफ कि एगए हो श्रयंपा शोबित कि एगए हो जो सरक्षी लेप से समाधित किया गया डो,
 - हमार विनिर्माण से निम्बलिधित न्यूनतम प्रक्रिया, भासिल होगी.--
 - (क) पदार्थ को श्राधिक स अधिक 0.2 मि.मी र अन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी श्रथव साइउ र सभी हिस्सों में, पेट और नातीप्रार हिंहुयों को छोड़कर समतल करता.
 - (ख) मिश्रित चर्म मंगोतन,
 - (ग) रगाई करना मियंटिक (कोल तार), डाई/यां के साथ वमंड सी समाधित करना जो इस प्रकर मध्यम/गहरी शह देता ही ;

(घ) बमालगाना; (इ) सेटिंग करना; (च) स्टेकिग/बोर्डिंग करना, (छ) मशीनी साधनो द्वारा मांसलसाइड साफ करना; (ज) सरक्षी लेप, (झ) मृलम्मा लगाना/नक्काली करना; (ख) एम्बोस्ड/प्रिटिड/ जग ग्रैन अपर लेदर फ्ल प्रेन अथवा करेकिएड ग्रेन हो सकता है और संरक्षी लेप तथा तकाणी से परिष्कृत किया हुन्ना हो; इसका विनिर्माण में निम्नलिखित न्यनतम प्रक्रियाए शामिल होगी; नामण .--(क) पदार्थ को ग्राधिक से श्राधिक 0.2 मि. मी. या अन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टकृत न किया गया हो, चमड़ी अथवा हाइड अ मभी हिस्सा में पेट और नलीवार हड़ियों को छोड़कर सम्दल करना; (শ্ব) मिश्रिप चर्स गोधन (ग) रंगाई करना सिथेटिक (कोल टार) (डाई/यों से चमट्रे को ससाधित करना, ओ इस प्रकार मध्यम/गहरी गेंड देता हो; रंगाई करना; चमडा हरके रंग से रजित और विशिष्ट हा से नीम/बनस्पति/मिश्रित गोधित पपडीदार चपड़े के रग से भिन्न, (घ). वसा लगाना, (इ) सैटिंग करना, (च) स्टेकिंग/बोडिंग करना; (छ) मशीनी साधनों से मामल साइड साफ करना; (ज) संरक्षी नेप लगाना, (झ) मृतम्मा लगाना/नक्काशी करना; (इ) नाप्पा/मोफ्टी/बटी/ग्रपर लेदर नरम/लचीलः और संरक्षी लेप के साथ तैयार किया गया हों, इसके विनिर्माण मे निम्नलिखित न्य्नतम प्रक्रिया शामिल होगी; नामश.-(क) पदार्थ को ग्रधिक से ग्रधिक 0.2 मिमी. के अंतर से, यदि ग्रन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी ग्रथवा हाईड के सभी हिस्सो मे पेट और नलीदार हड्डियो को छोड़कर, समतल करना 3; (ख) भिश्रित गांधन, (ग) गंगाई करना : सियेटिक (कोल टार), डाई/यों क साथ चमडे को संसाधित करना; जो इस प्रकार मध्यम/गहरी गेंड देता हो; श्रयंवा चमड़ा हल्के रग से रजित और विशिष्ट रूप से फ्रोम/बनस्वति/ मिश्रित शोधित पपडीदार चमड़े तरग से मिन्न; (घ) वसा लकाना, (इ) मंटिंग करना, (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना, (छ) मशीनी साधनो से मासल साइड साफ करना;

(ज) सरक्षी लेप लगाना,

(झ) मुलम्मा लगाना/नक्काशी करना, श्रथवा प्रेस करना/पोलिश करना;

2

(व) पेटेंट/बैट लक/पोलीयरिधेन फिलिण्ड लैंदर

3

संरक्षी लेप से परिष्कृत किया जाएगा जहां ऊपरी परत पोलियुरिषेन/ आर्निश से सरफेन को अत्यधिक चमकदार बनान के लिए की जाती है।

इस ४ विनिर्माण में कम से कम निम्नलिखित प्रक्रिया समाविष्ट होगी, नामण ---

- (क) पदार्थ को श्रिधिक मे श्रिधिक 0.2 मिमी. के श्रन्तर मे, यदि श्रन्थथा विणिष्टिकृत न किया गया हो, वमडी श्रयका हाइड के सभी हिस्सी में, पेट और नलीकार हिड्डियों को छोड़ कर, समतल करना:
- (ख) मिश्रित शोधन;
- (ग) रंगाई करना: सिन्थेटिक (कोच टार) डाई/यों से चमड़े को संसाधित करना;

इस प्रकार मध्यम/गहरी शेड कर देना।

यथवा

रंगाई करना हर्ले रंग में रंगे हुए चमडे और विशिष्टि रूप मे क्रोम/वनस्पित/मिश्रिण से शीश्रित पपड़ीदार जमड़े के रंग में भिन्न;

- (घ) वसालगाना;
- (ङ) सैटिंग करना;
- (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना;
- (छ) मगीनी साधनों से मांसल साइड साफ करना;

शोधन अथवा पुन. शोधन द्वारा अथवा किसी अन्य उपयुक्त प्रक्रिया द्वारा उत्पादित शकन ग्रेन अथवा संरक्षी लेप से परिष्कृत किया जाएगा। इसके विनिर्माण मे कम मे कम निम्नलिखित प्रक्रिया समाविष्ट होगी, नामश :---

- (क) पदार्थ को 0.2 मिमी. यदि श्रन्यथा विशिष्टकृत न किया गया हो, चमड़ी श्रथवा हाईड के मभी हिस्मों में, पेट और नालीदार हड़ियों को छोड़कर, नमतल करना।
- (ख) मिश्रित गोधन
- (ग) रंगाई करना:सिन्थटिक (कांल टार) डाई/यों से चमड़े को संसाधित करना जो इस प्रकार मध्यम/गहरी शेड दें;
- (घ) वसा लगाना;
- (ङ) स्टेकिग/क्षोडिंग करना; अथवा ड्राई द्रमिंग;
- (च) मैकनिकल साधनों से क्लीन मांसल माइड साफ करना;
- (छ) मंग्क्षो लेप;

वनस्वति मे/पुनः शोधित मिश्रित शोधित होगा। ड्रम में से रजित किया हुद्या होगा। हल्की भी वसायुक्त होगा और संरक्षी लेप से परिष्कृत होगा, जो इनमोल क लिए भी प्रयुक्त होता है।

इसः विनिर्माण में कम से कम निम्नलिखित प्रक्रियाण शामिल होगी नामश ----

(क) पदार्थ को अधिक से अधिक 20.1 मिसी. के अन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, पेट और नलीदार हिंखुयो को छोड़कर, समतल करना;

(७) श्रांकन ग्रेन/रिलेक्स लैंदर्स

(ज) हुराशे/बोबन/मेंग लंदर

. _ -- == == .

2

3

- (ख) मिश्रित णोधन, रंगाई करना, मिन्थेटिक (कोल टार) डाई/यों से **भमडे को** संसाधित करना, जो इस प्रकार मध्यम/गहरी **घेड दे**ता है;
- (घ) वसा करना;
- (ङ) सँटिंग करना,
- (च) मशीनी सावनीं से मासल साइड साफ करना ;
- (छ) संरक्षी लेप;
- (ज) चमकाना;

श्रथवा

मलम्मा लगाना/नक्काशी करना।

(झ) धातु स संसाधित/मोतियो में संसाधित/मोतियों से परिष्कृत चमहा पूर्णेक्ष में बाल साफ किए गए हो अथवा शोधित किए गए हों उसे संरक्षी लेप से परिष्कृत किया जाएगा जहां टौंपिंग धातु अथवा सोती सत्त रोगने से की जाती है। इसके विनिर्माण में निस्तिलिखत स्यूनतम प्रक्रिया शामिल होगी, नामश:——

- (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मिमी. के अन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टिइत न किया गया हो, चमड़ी अयवा हाईड के मभी हिम्मों में, पेट और नतीदार हाड्डियों को छोडकर, समसल करना।
- (ख) मिश्रित शोधन,
- (ग) प्रार्ड करना, सिन्येटिक (कोल टार) डाई/यो से चसड़े को संसाधित करना, और इस प्रकार मध्यम/गहरी शेंड देना अथवा

रंगाई करना: हल्के रंग में रंगे, हुए चमड़े और विशिष्ट रूप से क्रोम बनस्पति/मिश्रिन शोधित पपड़ीदार चमड़े के रंग में भिन्न;

- (घ) वसा लगाना;
- (ङ) मैटिंग करना;
- (च) स्टेकिंग/बोडिंग करना;
- (छ) मशीनी साधनों से मांसल साइड साफ करना;
- (ज) संरक्षी लेप;
- (भ्र) मुलम्मा लगाना;

(ङा) हॉन्टिंग कफ स्यूडे श्रपर/णू स्यूडे/सेट रफ श्राऊट/ इमिटेशन सीभर लेदर मांसल साइड पर प्रवेक्षित का रखते हुए किसी बांछित स्तर और एक रूप भेड तक ड्रम में रंगा होगा। बालों की माइड को छीला गया हो/ तराशा जाएगा/ इसकी मोटाई न्यूनतम 1.2 मिमी. से कम नही होगी। इसके विनिर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी;

- (क) पदार्थ को अधिक से अधिक 0.2 मिमी. के अन्तर से मदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी अथवा खाल के सभी हिस्सों में, पेट और नलीदार हिड्डियों को छोड़कर, समतल करना,
- (स्त्र) मिश्रित शोधन,
- (ग) रंगाई करना, सिन्थेटिक (कोल टार) डाई/यों से चमड़े संसाधित करना और इस प्रकार मध्यम/गहरी भेड देना;

2

3

- (ध) वसालगाना;
- (इ) स्टेकिंग/बोडिंग करना;
- (च) स्युष्टे नैप तैयार करने के लिए बर्फिंग करना;
- (छ) ड्राई द्रमिग/प्तश ह्वीत्रिग/विफिंग द्वारा स्यष्ट नैप को ऊंचा उठाना;
- (ज) ग्रेन के छीलनः/गहरा तराशना;

इम में रंगा जाएगा और ग्रेन पर लेप से परिष्कृत होगा जो शेड की गहरी करने के साथ रंगड़ने समय एक विशेष चमक पैदा करेगा। जांच करने पर मोम की मौजूदगी विखाई देनी चाहिए। इसके विनिर्माण में निम्नलिखित न्युनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी, नामश:—

- (क) पदार्थ को भ्रधिक से ग्रधिक 0.2 मिमी. के अन्तर से, यदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ी ग्रथवा खाल के सभी हिस्सों को, पैट और नवीदार हिंकुयों को छोड़कर. समतल करना;
- (ख) मिथित शोधन,
- (ग) रंगाई करना; सिन्धेटिक (कोल टार) डाई/यो स चभडे को संसाधित करना और इस प्रकार मध्यम/गईरी लेड नैयार करना;
- (घ) वसालगाना;
- (इ) सैटिंग करना;
- (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना;
- (छ) मंगीनी साधनों से मांसल साइड माफ करना ।
- (ज) चमकने योग्य प्रभाव।

ड्रम में एक स्तर तक पूरे रंग मेदन तक एक समान रंगा जायेगा और और इसके ग्रेन साइड पर मखमली नेप होगा।

- (m) + 0.2 मिमी. की सहनशीलता से समतल करना
- (ख) काम्बीनेशन टेनिंग
- (ग) रंगाई: सिथेटिक (कोल टार) डाई/यों से संसाधित चमड़ा जिससे कि मध्यम/गहरी घोड देता हो।
- (घ) वसालगाना;
- (ङ) स्टेकिंग/बोडिंग;
- (च) मशीनी साधनों से मांसल साइड साफ करना:
- (छ) स्वेद नेप तैयार करने के लिये बर्फिंग करना;

बकरो/िक अमिनना/भेड़ की खालों से त्रिनिर्मित चमड़े को क्रोम/िमश्चित णोधन किया जाएगा जब तक कि अन्यथा विधिष्टिकृत न किया गया हो, पैरों के जूतों/चष्यलों (फुटवीयर) के ऊपरी हिस्से के लिए संसाधित:

(ट) चमकीला चमडा

(ठ) रंगीन न्यूवक चमडा

(2) बकरी/मेड़ की खालों से

(क) एनिलाईन भ्रथर लैंदर

ड्रम में रंगा गया हो और दिखाई देने वाले ग्रेन से गंरक्षा लेंग **के साथ** परिष्कृत किया गया हो,

इसके विनिर्माण में निम्नितिखित त्यूनतम कार्य शामित होगे, नासकः— पदार्थ को श्रिधिक से श्रिधिक 0.2 मि.मी. के श्रन्तर से, यदि श्रन्यश विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमडो श्रथवा खात के सभी हिस्सी में, पेट और नलीदार होडुयों को छोड़कर, समतन करना;

- (क) मिश्रत गोधन;
- (ख) रंगाई करना, सिन्थेटिक (कोलटार) डाई/यों से चमड़े की संसाधित करना, इस प्रकार मध्यम/गहरी गेड देना/प्रथवा रंगाई करना, हल्के रंग में रंगे हुए चमड़े और विशिष्टि इप से फोम/वनस्पति/ मिश्रित शोधन पपड़ोदार चमड़े केरग ने सिक्ष;
- (ग) वसालगाना;
- (घ) सौटग करना;
- (ङ) स्टेकिंग/बोडिंग करना;
- (च) मशीती साधनों से मांस का साइड साफ करना;
- (छ) मंरक्षी लेप करना;
- (ज) चामकानाः
- (झ) मुलम्मा लगाना/नक्काणी करना;

(1) सैसी एलिलाईन/एनिलाईन लुक/माक एनिलाईन अपर लैंदर पूर्ण रूप से बाल साफ किए गए हो अथवा शोधित किए गए हों; इसके विनिर्नाण में निम्निखित न्यूनतम प्रकियाएं शामिल होनी; नामण:--

- (क) पदार्थ को ऋधिक से ऋधिक 0.2 मि. मी. के अन्तर मे, यदि अन्यथा विशिष्टिकृत न किया गया हो, चमड़ो ग्रंथवा क्वास के मभी हिस्मों में पैट और नलीदार हिंदुयों को छोड़कर समतन करना;
- (ख) मिश्रित शोधन;
- (ग) रंगाई करना, सिन्येटिक (कोलटार) डाई/यो चमड़े को संसाधित करना और इस प्रकार मध्यम/गहरी भेडे देना ग्रथवा

रंगना: हल्के रंग में रंगा गया चमड़ा और जो विशिष्ट रूप से कोम/ वनस्यति/सिश्चित जोधित पपड़ीदार चमड़े के रंग से सिन्न,

- (घ) वसालगाना;
- (क) सैटिंग करना;
- (च) स्टकिंग/बोर्डिंग करना;
- (छ) मशीनी साधनों ने मांसल साईड साफ करना;
- (ज) मंरक्षी लेप करना;
- (झ) चमकाना श्रयवा मृलम्मा लगाना/नक्काशी करना;

2

3

(2) संफेद/हल्के सफेद रंगका चमड़ा

पूर्ण रूप में साफ किया हुआ तैयार और संरक्षित लेप के साथ। इसकी बनावट में कम से कम निम्नलिखित प्रक्रियाएं शामिल हैं :---

(क) उदर और शैन्कम को छोड़कर चर्म और खाल के सभी हिस्सों में अधिकतम 0.2 एम.एम. के अन्तर के माथ पदार्थ का समतल किया गया हो;

यदि अन्य प्रकार से विशिष्टिकृत नहीं;

- (ख) मिश्रित चर्मशोधन कियागयाहो;
- (ग) बसा लगाया हुआ हो;
- (घ) सैट किया हुआ हो,
- (ङ) स्टेकिंग /वोडिंग किया हुआ,
- (च) मशीनों द्वारा मांस की साइड साफ की गयी हो;
- (छ) संरक्षित लेप किया हुआ हो,
- (ज) मुलम्मा चका हो/नक्काणी करना

ग्रथवा

जैमे .--

श्रायरन किया हुआ /पालिश किया हुआ हो।

(ख) चनकेलि किया हुआ मेमते चमकेला किया हुआ बकरी या भेड/रंगा हुआ मेमत या बकरी का चमड़ा

मेको/बककिनित की खाल से निर्मित। इस रंजित हो ओर सरक्षित लेक्य**ुक्त हो।** इसे तैयार करने से कम संकम निस्नलिखित प्रक्रिया ध्रपनाई गई हो,

- (क) उदर और शैन्कस को छोड़कर चर्म और खाल के सभी हिस्सों में श्रिधकतम 0.2 एम. एम. के श्रन्तर के साथ पदार्थ का समतल न किया गया हो; यदि अन्य प्रकार से विशिष्टिकृत नही;
- (ख) मिश्रित चर्मशोधन किया गया हो;
- (ग) रंगाई: सिथेटिक (कोलतार) रजकों से संसाधित खमड़ा हो ताकि मध्यम/गहरी गेड देता हो; अथवा खमड़ा हल्के रंग में रंगा गया हो और फ्रोम/बनस्पति/कम्बीनेशन से शोधित पपड़ीदार खमड़े को रंग से स्पष्ट रूप से अलग हो;
- (घ) बसालगाया हुआ हो;
- (क) मंट किया हुआ हो.
- (च) स्टेकिंग/त्रोडिंग किया हुआ ही;
- (छ) मशीनों के जरिए मांस की साइड साफ बनायी गयी हो;
- (ज) संरक्षित लेपयुक्त हो;
- (झ) चमकदार बनाया गया हो;

2

- (ग) बकरी या मेड़ के अपर/ममने या बकरी या भेड़ के रेजिन से परिष्कृत चमड़े
- पूर्ण रूप से कणदार या यथातय्य कणदार हो, संरक्षित लेप करे करके नैयार किया हुआ हो ।
- इसको बनाने में कम से कम निम्नलिखित प्रक्रिया श्रवश्य श्रयनाई गई हों, जैसे :---
- (क) उदर और ग्रीनकम को छोड़कर वर्म और खाल के सभी हिस्सों में अधिकतम 0.2 एम एम के अन्तर के साथ पदार्थ का समतल किया गया हो;

यदि मन्य प्रकार से विशिष्टकृत हो :---

- (ज) मिश्रित चर्मशोधन किया गया हो;
- (ग) रंगाई सिंथेटिक (कोलतार) रंजकीं से संसाधित चमड़ा हो ताकि मध्यम/गहरी गेंड देता हो;

ग्रथवा

रंगाई: हस्के रंग से रंजित चमड़ा और क्रोम/बनस्पति/मिश्रण शाधित पपड़ीदार चमड़े केरंग से विशेष रूप से सिक्ष।

- (भ) वसा लगाया हुआ हो;
- (उ) सैंट किया हुमा हो;
- (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग किया हुआ हो;
- (छ) मशीनों के जिए मांस की साइड साक की गयी हो;
- (ज) संरक्षित नेपयुक्त हो;
- (अ) मुलम्मा लनाया हुआ | नन्काशी किया हुआ | श्रयवा प्रेस किया हुआ | पालिश किया हुआ

(घ) नेपा/संपिटी बूटी ध्रपर लेडर्स

- मुनायम/लजीला हो और मंरक्षित लेप-मुक्त हो। इसके बनाने में कम में कम निम्नलिखित प्रक्रिया श्रवस्य ग्रपनाई गई हो;
- (क) उदर और शैन्कस को छोड़कर चर्म और खाल के सभी हिस्सों. मे श्रधकतम 0.2 एम एम के श्रन्तर के साथ पदार्थ को समतल किया गया हो, यदि श्रन्य प्रकार से विशिष्टिकृत न हो;
- (ख) मिश्रित चर्मशोधन किया गया हो;
- (ग) रंगाई सिथैटिक (कोलतार) रंजकों से संसाधित चमड़ा हो ताकि मध्यम/गहरी छेड देना हो; धथवा चमड़ा हल्के रंग में रंगा गवा हो और कोम/बनस्पनि काम्बीनेशन से शोधित पपड़ीदार चमड़े के रंग से सम्बद्ध रूप से मलगहो;
- (थ) बसा लगाया हुमाहो;
- (ड) सैट किया हुआ हो;
- (च) स्टेकिंग/बोडिंग किया हुमा हो;

2

q

- (छ) मशीनों के जरिए मास की साइड साक की गयी हो;
- (ज) संरक्षित लेपयुक्त हो,
- (झ) मुलम्मा चढ़ा नत्रकाणी किया हो भ्रायरन किया/पालिश किया हुम्राहो
- (इ) पेटट/पोता दिखाई पड़ने वाला पोतीय रीथेन गे तैयार चमड़ा

संरक्षित लेपयुक्त हो जिससे पोलीयूरीथेन/बानिण की परत की गई हो जिससे उसकी उपरी सतह स्रधिक चमकीली हो गई हो।

इसके उत्पादन मंकम से कम निम्नलिखित प्रकिया अपनाई गई हो :-

- (क) उदर और शैकाम को छोड़कर चर्म शैर खाल के सभी हिस्सों में अधिकानम 0.2 एम एम के अन्तर के साथ पदार्थ का समतलन किया गया हो, यदि श्रन्य प्रकार से विशिष्टिकृत न हो;
- (ख) मिश्रित चर्मगोधन किया गया हो,
- (ग) रंगाई मिथैटिक (कोलतार) रंजको से संमाधित चमश हो ताकि मव्यम/गहरी शेष्ठ देता हो,

अथवा

रंगाई: हल्के रंग से रंजित चमडा और क्रोम/बनस्पित/मिश्रण से णोधित पपड़ीदार चमड़े के रंग से विशेष रूप मे भिन्न ।

- (घ) बसालगाया हुन्ना हो;
- (इ) मैट किया हम्राहो,
- (च) स्टेकिंग/बोडिंग किया हुआ हो,
- (छ) मर्गीनों के जरिए मास की माइड साफ की गयी हो,
- (ज) संरक्षित लेपयुन्त हो :--
- ्(च) मिकुड़ा हुन्ना स्नेन/रिलैक्स चमड़ा/मेमने का श्राप्याधित चमडा

चर्नगोबन में भारविष्त प्रभाव या किशे भन्य उपयुक्त प्रक्रिया द्वारा उत्पाद के सिकुड़े हुए ग्रेन या सिकुड़े हुए पैर्टन/सरक्षित लेप द्वारा नैयार किए गए हों।

इसको बनाने में कम से कम निम्नलिखित प्रिक्रिया श्रयनाई गई हो:--

- (क) उदर और शैन्कम को छोड़कर चर्म और खाल के मभी हिस्सो मंग्रधिकतम 0.2 एम एम के अन्तर के साथ पदार्थ का समतलन किया गया हो, यदि अन्य प्रकार से त्रिणिष्टिकृत नहों;
- (ख) मिश्रित चर्मशोधन किया गया हो,
- (ग) रगाई सियैटिक (कोलतार) रंजकों से संसाधित चमझ हो ताकि मध्यम/गहरी शेड देता हो अथवा चमझ हल्के रंग मे रंगा गया हो और कोम/वनस्पति काम्बीनेणन से शोधित पपड़ीदार चमड़े के रंग से स्पट्ट रूप से अलग हो ।
- (घ) बसालगाया हुग्रा हो;
- (ड) स्टेकिंग/बोडिंग किया हुआ हो;

- (च) गुष्क बेल्लिन
- (छ) मशीनों के जरिए मांस की साइब साफ की गयी हो;
- (ज) संरक्षित लेपयुक्त हो;

उन्युक्त प्राचार अपेर परनर के साथ जनहै को येन तल में लगे हुए (छ) भूतहरी तथा रजनित कि कुनहरी तथा रजतित किंद सुनहरी या रजतित फॉयल पेपर ।

इम तैयार करने में कम से कम निम्तलिखित प्रक्रिया अपनाई गई हो :---

- (क) उदर श्रीर शैन्कस को छोड़कर चर्म श्रीर खाल के सभी हिस्सों में ग्रंधिक तम 0.2 एम एम के ग्रंतर के साथ पदार्थ को समतल किया गवाहो; यदिअन्य प्रकार से विशिष्टिकृत न हो;
- (ख) मिश्रित चर्मशोधन कियाग्याहो;
- (ग) वसा लगाया हुन्नाहो;
- (थ) सैट किया हम्राहो;
- (क) स्टेकिन/बोडिंग किया हथा हो;
- (च) मशीनों द्वारा मास की साइड साफ की गयी हो;
- (छ) मुलम्मा लगाना/नक्काणी करना

धातु के परिष्करण/मोतो के परिकारण यकत चमड़ा मरेक्षी स्रोप से परिष्कृत किया गया हो

धात्विक प्रथवा मोती सत्त रोगन किया गया हो। इसको बनाने में कम मे कम निम्नलिखित प्रक्रिया अवण्य अपनाई गेईहो :--

- (क) उदर और भैन्कम को छोड़कर चर्म और खाल के सभी हिस्सों में ग्रिधिकतम 0.2 एमएम के ग्रन्तर केसाथ पदार्थ का समतत्त्रन किया गया हो; यदि श्रन्य प्रकार से विशिष्टिकृत नही;
- (स्त्र) मिश्रित चर्मशोधन किया गया हो;
- (ग) रंगाई सिथैटिक (कोलतार) रंजकों से संसाधित चमड़ा हो ताकि मध्यम/गहरी शेष देता हो;

ग्रथवा

रंगाई: हल्के रंग से रंजित चमड़ा श्रीर कोम/वनस्पति/मिश्रण से शोधित पपड़ीदार चमड़े के रंग से विशेष रूप से भिन्न;

- (घ) वसा लगस्याहग्राहो;
- (इ.) सैट किया गया हो;
- (ख) स्टेकिंग/बोर्डिंग किया हुआ हो;
- (छ) मशीनों द्वारा माम की साइड साफ की गयी हो;
- (ज) संरक्षित लेप किया हुआ हो;
- (झ) मुलम्मा चढाना/नक्काशी करना;

(ज) धातुकी तह च इाकर मुक्तायुक्त/मोती से परिष्कृत चमडा

3

(ज) मंश्येक्डो चमड़ा

वनस्यति संयोजन चर्मशोधन द्वारा सामान्यतः वकरी की खाली से अनाया हुआ, हाथ द्वारा बार्डर करके अथवा यात्रिकी साधनों द्वारा विकमित विणिष्टि ग्रेन पैटर्न । हुम-रंजित तथा संरक्षित लेप हारा परिष्कृत ।

इसके विनिर्माण में निम्नलिखित प्रक्रिया शामिल होगी, श्रयात :--

- (क) उदर धौर भैत्कण को छोड़कर चर्म अथवा खाल के सभी हिस्सों में अधिकतम 0 2एम एम भिन्नता के साथ पदार्थ को समतल करने हुए, यदि अन्य प्रकार से विशिष्टिकृत नही;
- (म्ब) मिश्चित चर्मशोधन;
- (ग) रंगाई; संशिष्ट (कोलतार) डाई/यों द्वारा संसाधित चमड़ा, जो मध्यम/गाबी रंगत देता हो;
- (घ) मैटिंग,
- (ङ) स्टेकिग/बोडिग;
- (च) संरक्षित सेप किया गगहो;
- (छ) मंशीनों द्वारा मास की गाएड को साक करना :
 - (छ) सरक्षित लेप किया गयाही,
- (अ) चमकाना प्रथमा पत्तरा लगाना/उभरानः ।

(श) पस्तरिक/खिद्रित/बुना हुग्रा/स्ट्रैप/संवारा हुग्रा चमड़ा

स्रामतौर परवनस्पति/मिश्रित चर्मशोधन द्वारा बकरी की खाल से नैयार किया हुसा; हल्की बसा लगाया हुमा भौर खूंटी पर सुखाया हथा।

निर्माण में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएं होंगी; अर्थात्

- (क) उदर तथा गैल्कम को छोड़कर धर्म ग्रथना वालों के सभी हिस्सों में अधिकतम 0.2 एम एम तक ग्रन्तर के साथ पदार्थ की समतल, यदि ग्रन्थ प्रकार से विणिष्टिकृत न हो;
- (स) मिश्रित चर्मशोधन;
- (ग) रंगाई; संग्रालिष्ट (कांलतार) डाई सेतैयार किया गया चमड़ा जो इसप्रकार मध्यम/माड़ी रंगत प्रदान करताहो,
- (घ) सैटिंग,
- (छ) स्टैकिग/बोडिंग,
- (च) मगीनों द्वारा मांस की साइड से साफ कश्ना;
- (छ) संरक्षी नेप करनाः
- (ज) चनकाना, धथवा परतरा लगाना/उभारना।

- 9

3

(ख) मिझाए हुए चमडे के ऊपरी भाग/जतों के सिझाए हुए चमडे के ऊपरी भाग मास बाती तरक सिन्नाए हुए चसके त नेप सहित, बरापर प्रौर समतल कोउ म इम रजित, दानेदार साल्ड छोला स्रीर/या तरासा हुई।

इसको तैयार करते से निस्तितिति पत्रियाण पासित होगो, पर्यात ~~ - नासग →~

- (क) उदर तथा शैन्त्रम को छोडकर चर्म अथवा प्राल के सभा हिस्सों में अनिकतम ∪ ३एमण्य तक प्रतर के सार प्रार्थ का समतलन, यदि प्रस्थपकार ने भिक्षिण्डीकर नहीं,
- (म्त्र) मिश्रित चर्मशाउन,
- (ग) रंगाई-मणिष्ट (कोतनार) द्वारं/मा ।रा समाधिन नगदा जो इस प्रकार मध्यम/गार्थ रगत देनाहो,
- (घ) बसा गामा हुणा,
- (इ) मंदिग,
- (च) मशानों से मास की माहण साफ का गई हो,
- (छ) सरक्षित लेप शिया गया हो,
- (ज) चमकाना अयता मृल्लमा जगाना/तक्कागा करना,

(ण) स्वेद/ग्रपर/शूस्वेद ग्रपर लेदर

- हुप में एक स्तर तक एक जैसे और इसर गासल माइट को रगा जाएगा रवेद नेप साइट होगा और इसरो क्षेन पाइट छीकी जायेगो अथवा तराणी जाएगी इसर विशिशींग में तिस्तिविधा न्यनतम प्रतियाए शामित होगी, नामण —
- (क) पदार्थ को अधिक स अधिक 0 2 मि मी द अन्तर स, प्रदि अन्यथा विणिष्टिकृत न किया गपा हो, चमडी प्रथम खात के मभी हिस्सो को, पेट और नतीग्रार हिंहुया को छोडकर, समतल करना।
- (ख) मिश्रित शोधन,
- (ग) रगाई करना, सिन्थेटिक (कोल टार) डाई/यो से वमडे को संसाधित करना और इस प्रकार मध्यम/गहरी शेड नैयार करना।
- (घ) वसा लगाना,
- (इ) मैटिंग करना,
- (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग करना,
- (छ) स्वेद नेप नैयार करन ह लिये विकास करना
- (ज) ड्रार्ट ड्रिमिग/प्लश क्हीलिग/विकास द्वारा रहेर ने। तैयार करना शेंड की हुई। इसाथ-साथ कम से कम 6"का चौढाई तक बाल उतार कर/नराणा। जिलों थे। का लाक्ट का में दुख्या गा। देखा जा सा।

THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY 26 2 3 1 ड्म में रंगा जायेगा और रगड़ने से हल्की सो गाढ़ी रगत की ग्रलग (त) पालिश योग्य अमडा चमक देगा। जांच करने पर मोम को मोज़दगी विखाई देगी। इसको तैयार करने में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी ग्रर्थात् :---(क) उदर और गैंन्कस को छोड़कर चर्म ग्रयवा खाल के सभी हिस्सों में प्रधिकतम 0.2 एम एम तक अन्तर के साथ पदार्थ का समतलन, यदि अन्य प्रकार से विशिष्टिकृत न हो; (ख्र) मिश्रित चर्म शोधन : (ग) रंगाई: मंगलिष्ट (कोलतार) डाई/यों के संमाधित किया गया चमड़ा जो इस प्रकार मध्यम गाकी रंगत देता हो; (घ) वसालगाया हुआ (इ.) सेटिंग (च) स्टेकिंग/बोर्डिंग (छ) मणीनों द्वारा मांस वाली तरफ साफ करना; (ज) पालिश योग्य प्रभाव भैंम के या भारी एक्स हाइडस द्वारा बनाया गया भारी पदार्थ वाला (7) तलवे का चमड़ा वनस्पति/तलवे का काम्बीनेशन टेन्ड तलवे का चमड़ा मुलायम और बेलित की जाएगी। ग्रयति :---(क) वसालगाया हुन्ना या तेल लगाया हुन्नाः (ख) सैटिंग;

चमड़ा । पूर्ण रूप से वनस्पति द्वारा शोधित दानों की साइड

इसको तैयार करने में निम्नलिखित न्यूनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी,

- (ग) रोलिग;
- (8) गहेबार चमुद्रा नैप्पा श्रपहोल्सटरी/प्राटोमोबाइल फर्नीचर/प्रपद्गोल्सटरी समझा

गांए तथा भैस के चमड़े और बछड़े बकरी और भैड़ की खाल से तैयार किया हुमा। क्रोम/मिश्रित गोधित किया पूर्णरूप से दानेदार या संशोधित दानेदार/लेप द्वारा परिष्कृत होगा।

> इसको तैयार करने में निम्नलिखित न्यनतम प्रक्रियाएं शामिल होंगी, श्रर्थात् :----

- (क) उदर और णैन्कम को छोड़कर चर्म ग्रयवा खालों के सभी हिस्सों में प्रधिकतम 0.2 एम एम तक के ग्रन्तर के साथ पदार्थ को समनल; यदि अन्य प्रकार से विशिष्टिकृत नही;
- (ख) रंगाई/संगलिष्ट (कोलनार) डाई/यों से तैयार किया गया जो इस प्रकार मध्यम/गाढ़ी रंगत प्रदान करता है;
- (ग) वसा लगाया हुआ।;
- (घ) सैटिंग;

2

3

- (इ) रगकेग/**बोडिंग**;
- (च) म । । नों द्वारा मांस वाली साइड को साफ करना:
- (छ) सरक्षित लेप करनाः,
- (ज) चभक्तनाया मुलम्मा चढाया हम्रा/नक्काणी किया हमा
- (यदि ई. थाई. स्टाक का चमड़ा हो तो मिश्रित णोधन की प्रक्रिया भी णामिल होगा।

टिप्पणी:-- परिष्कृत चमड़े की ग्रन्य कोई नई किस्म, जो ऊपर न बताई गई हो, के निर्धान की ग्रनुमित केन्द्रीय चमड़ा भ्रन्संधान संस्थान हारा जांच तथा प्रमाणन के भ्रधीन दी जा सकती है।

निर्माण प्रक्रियाओं की परिभाषा:-

- ए-1. बिफिग--इनर्जी व्हील भ्रथवा बिफिग मशीन के इस्तेमाल से चमड़े की मांसल सतह को साफ करने की प्रक्रिया ।
- ए-2. काम्बीनेशन टैनिंग--एक से प्रधिक किस्म के टैनिंग साधन जैसे मिनरल टैनिंग और वैजीटेबल टैनिंग और/प्रथवा-टैनिंग और/ग्रथवा ग्रैन टैनिंग और/ग्रथवा किसी भी रूप में ग्रायल टैनिंग, जबकि मिनरल टैनिंग ग्रपरिहार्य है, टैनिंग करना।
- ए-3. ड्राई ड्रॉमग-गुष्क चमड़े की मुलायम बनाने/ग्रथवा स्वेद चमड़े भें नेप खोलने के लिये चमड़े की गुष्क (ड्राई) करने के लिये ड्रामिंग प्रक्रिया।
- ए-4. डाइग--जमड़े को सियेटिक कोलतार (डाई(यों) के घोल से इस तरह संसाधित करना जी मध्यम अथवा गहरा अथवा हल्का ग्रेड देता हो और जो क्रोम/वनस्पति/ग्रथवा–काम्बीनेशन कस्ट चमड़े से स्पष्ट रूप से श्रलग हो।
- ए-5. एम्बोसिंग-चमड़े के ग्रेन साइड पर दाब और उष्मा द्वारा उभार लाकर पैटर्न तैयार करना। मणीन की टाईप के प्रनुसार पैटर्न प्लेट ग्रथवा रोलर पर हो मकती है।
 - ए-6. फैटलीक्वरिंग—चमडे को मलायम बनाने के लिये पानी भें तेल/भ्रयवा वसा, जिसे मिलाकर चमड़ पर लेप करना ।
- ए 7. ग्लेजिंग-—गोमदे/(अगेट) शीशा ग्रथवा स्टील के रोलर को आरी दाब देकर चमड़े की ग्रेन सतह को पालिण करके श्रत्यधिक चमक लाने की प्रक्रिया।
 - ए-8. ब्रायरिनिंग-चमडा चिकना दिखाई दे इसके लिये लांडरी ब्रायरन द्वारा परिष्कृत चमड़े की गरम प्रेस करने की प्रकिया।
- ए-9. लेबलिंग-किसी भी प्रकार के यांत्रिक साधनों जैसे स्पिलिटिंग और/प्रथवा ग्रेबिंग ओर/प्रथवा बर्फिंग द्वारा किसी विशिष्टि साइज के पदार्थ/चमड़े के ट्कड़े को एक स्वीकार्य गुजाइण उक एक समान मोटाई तक लेबल करना।
- ए-10 स्राविका-वेजिटेबल टेन्ड चमड़े के मामले में चमड़े को मलायम और नमकशील बनाने के उद्देश्य से गीले या सीम्ड चमडे की ग्रेन माइड पर तेल का लेप लगाने और श्राक्सीकरण से टेनेज के रंग की काला पड़ने से बचाने की प्रक्रिया।
- ए-11. प्लेटिंग-हाइड्रॉलिक प्रैस या रोलर का प्रयोग करने हुए समतल गर्म धातु प्लेट से पट्टे पर दाब देते हुए चमड़े की समतल ग्रेन सतह बनाना।
- ए-12. प्लश ब्हीलिंग-चमड़े पर महीन और समतल मतह बनाने के लिए तकनीकी की प्रचालन; और चमड़े को मांस की साइड की ओर ब्लेविटी दिखावट के लिए फेल्ट या प्लश व्हील के रिवालविंग एक्शन द्वारा भी प्रचालन किया गया है।
- ए-13. प्रोटेक्टिय कोट-प्रोटेक्टिय कोट में (i) पिगमेंट वाइन्डर या (2) डाई सहित बाइन्डर या (3) डाई और पिगमेंट सहित बाइन्डर शामिल होंगे। बाइन्डर में प्रोटेनस सब्स्टैन्मिज जैसे (1) केसिन या (2) मिन्येटिक रेजिन या (3) प्रोटीन सब्सेटेन्मज और मित्येटिक रेजिन वाइन्डर का ब्लैन्ड शामिल होगा। संगति के ब्राधार पर प्रोटेक्टिव कोट पर (1) फोर्मेडिहाइड या (2) फोर्मे डिहाइड और केसिन या (3) लेकर या (4) लेकर एमल्यन या (5) विवल्स या (6) पोलियूरेथीन या उनकों संयोजन का लेप होगा ।

प्रोटेक्टिब कोट एक समान फिल्म बनाएगा जो नीचे विणिष्टिकृत टेस्ट के अनुसार जल्दी गीला और रंगड़ने पर सूखने वाला होगा तथा दृश्य होगा। यदि श्रावश्यक हो तो प्रोटेक्टिव कोट (कृपया टिप्पणी देखें) को देखने के लिए 32 बार भावर्धन पर सनह की माडकोरकोपिक परीक्षा की जानी चाहिए।

टिए णी -- दो कार्किश अंबर्जिश्टरम भहित बाइनावृहार स्टीटियोरकोषिक माइक्रोस्कोप (दो आई पी जो 8x में से प्रत्येक स्नावर्धन सिक्त और दो ओवर्जिटियम १x में से प्रायेक की ग्रावर्धन सिक्त) प्रपेक्षित होगा । ओवर्जेक्ट की कुल 8 × 4 3 बार (32x) कुल आवर्धन में देखा जाना पाहिए स्टीरिसीरकोषिक माइक्रोरकोष ओवर्जेक्ट को तीन आग्रामी दृश्य देता है ।

पर्राष्टण किए जाने काने कम के मैम्पन को ग्रेन का रूख ओबजेक्टिक्ज की ओर को माइकोस्कोप के स्टेज पर रखा जाता ह और एवं मनडको फोपम किया जाता है। पांच स्थानों में से प्रत्येक को दो या तीन स्थानों नामणः बट, बेली (बैंक बोन लाइन को दोनों और एक) और नेक नवा लोल्डर का परिक्षण किया जाना चाहिए।

अत्यो से देखों पर केंद्र सनह साक दिखाई देनी चाहिए लेकिन जब भाइकोस्कोन के अन्दर फोकम किया जाता है तो सिती पर ग्रामंस्य गर्न देखे जा सकते है। ये वर्न क्लीबेज लाइनों और हेयर प्रेस के कारण हैं।

यदि समाप्त सम्की√िजममें टिप्रैस्ट क्षेत्र और दोनो डिप्रैस्ट और ग्रन्य क्षेत्र ग्रामिल होते हैं, से उसी टाइप की रिफ्लेक्शन आयेगी जैस कि माटफोस्कों। में स्वव्ह क्या में दिखाई देती है। यदि चमड़े को संरक्षी लेप के बिना ग्लेज किया जाता है तो डिप्रेशन को बहुत ही कम चोड़ाईकी लाउह में डिप्रेस्ट क्षेत्र ग्लेज नहीं किए जाएगें मुक्त वे ग्लेजिंग नहीं किए जाएगें मुशीन के ग्लास स्लैब के सम्वर्क में तहीं जाएगें। इस प्रकार ये दो क्षेत्र विभिन्न किस्म के रिएलेक्शनों से यह ग्रामानी में पता लगाया जा सकता हैं कि क्या संरक्षी लेप विश्वभान है प्रयोग नहीं। यदि पहला संरक्षी लेप हो जो पिग्मेंट में बनाया ग्रा हो और ग्रेन सर्केष पर बाल्डर लगाया जाए तो उसका पता छोटे छोटे टोस कमां के मोजूद होने की पजह से ग्रामानी में लगाया जा सकता है।

टिप्पणी-2 -- सरक्षी लेप णुक्त और गीली रिबंग दोनों के लिए एस ए टी ई ए रब फास्टनेस टैस्टर पर जांच किए जाने पर ग्रे रोहर (1-5) पर ग्रेड 4 पर त्युनतम 256 चक्र लेगा।

ए-14 रोलिय:-भारी चमड़े को रमूय प्राम अथवा गम भेटल मिलिन्डर में किया करने पर जो चनड़े के ग्रेन सरफेंस पर काफी दबाय में चलना है। इस किया में चमड़े की सनह नरभ हो जाती है और स्वर्ग कड़ा लगना है। हल्के चमड़े कमी-कमी थोड़े में प्रेगर में रोत किये जाते हैं जिसका उद्देश्य सरफेंग को नरम बनाना है लेकिन स्पर्ग को कड़ा करने के उद्देश्य में नहीं।

ए-15. सेटिग -यह प्रिथा चमड़े को फॅलाने के लिए श्रपनाई जाती है ताकि - ग्रोथ और मोड़ने से पड़े चिन्हों तथा ग्रेन के खुरदुरेपन को मिटापा जा सके, फलनः चमड़े का सरफेस समतल और नरम हो जाता है।

ए-16. शिविशः- यह एक मैथेनिकल श्रापरेशन है जिसमें चमड़े की एक समान मोटाई को तैयार किया जा सके। यह किया गास की परती प्रथम ग्रेन साईड को छीलकर की जाती है।

ए-17. स्विभिग.-यह प्रक्रिया चमड़े की ग्रेन साइड की हल्के से आफिंग करके की जाती है जो प्रायः विफिग मशीन से की जाती हैं जिससे साक दिखाई देता है कि ग्रेन हट गया है।

ए-18 स्टेकिम/प्रीडिम:-यह प्रक्रिया घमड़े की एक दूसरी परत को अलग करने के लिए फ्लैशिंग और स्ट्रेंचिंग के जाउनम् से की जाती हैं और इस प्रकार यह नरमाओर स्टेकिंग हो। जाती है। चमड़े को बोर्डिग करने का प्रभिन्नाय कार्क बोर्ड अथवा मगीन से ग्रेन पैटर्न से किया करना है। यह चमड़ा भी बोर्डिग से ब्रोकन तथा नरम बनाया जाता है।

ए-19. स्टिफिग/क्यूरिंग.-इस प्रिक्या से चमड़े में तेल, बसा, ग्रीस और मोम के साथ संसेचित/मिलाया जाता है ताकि इसे टेंमाइल मजबूर्ता, लर्चालापन और बाह्य रूप से मुकाबला करने जैसे गुण प्राप्त हो मकें।

ए-20 स्यूड नैप--- ग्रमेरी पेपर के विभिन्न ग्रिटों को उपयोग में लाकर वाकिंग द्वारा फ्लश साइड पर वेलवेट नैप तैयार करने की एक किया।

ए-21. बनिशयल चमड़े के मामले से लेप की निस्नलिखित विधियों को अपनाकर जान की जाएगी।

टिप्पणी 3: - मैंकेनिकल कार्यों में किसी किस्म की कर्मा अयोग्यता नहीं होगी केवल इन मामलों को छोड़कर शेविंग (क-16), स्निफंग (क-17), बिफंग (क-1) और स्यूड नैप (क-20),

2. इसे सार्वजनिक हित में जारी किया गया है।

मुख्य नियंत्रका, आयात-निर्यात डी. श्रार. महना,

leathers.

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE NOTICE

PUBLIC NOTICE NO. 3 ETC(PN)/92—97

New Delhi, the 27th May, 1992

Subject—Export & Import Policy, 1992—1997—Export of Finished Leather.

F.No. 1/36/90/E.l.—In exercise of the powers conferred under section 3 of the Imports and Exports (Control) Atc, 1947, the Chief Controller of Imports and Exports hereby specifies, for the purposes of the entry "Finished Leathers, all kinds" appearing at Sl. No. 16 Para 162. Part V, Chapter XVI of the Export and Import Policy, 1992—97, that the items mentioned in column 2 of the table hereunder shall constitute "Finished Leathers" and the same may be exported without a licence but subject to the terms and conditions specified against each item in column 3 of the table hereunder:

Sl. No.	Description of Items	Manufacturing norms, conditions	
1	2	3	
1. Leat	hers, namely:—		
(i) Clothing Leathers From Cow & Buffaloes, hides and calf skins		Shall be chrome/combination tanned, soft and have draps.	
Jacket leathers.		Shall be drum dyed and finished with a protective coat, involving the following minimum operations in manufacture, namely:—	
		(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise in all portions of skin or hide excluding bellies and shanks;	
		(b) Dyeing: Leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a mediu n/dark shade;	
		Dyed in Light Colour and distinctly different from chrom/ veg/combination Tanned Crust Leather.	
		(c) Fatliquoring;	
		(d) Setting;	
		(e) Staking/Boarding;	
		(f) Producing a clean flesh side by mechanical means;	
		(g) Protective Coat.	
		(h) Plating/Fmbossing OR Ironing/Poishing:	
		(In case of leathers from E.I. stock operations of combina- tions tanning shall also be involved).	
(B)	Suede clothing/saede garment	Shall be drum dyed, having suede nap on the flash side, Grain	

side shall be shave and/or snuffed, involving the following

minimum operations in manufacture, namely :

or hide excluding bellies and shanks;

(b) Combination tanning;

(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise in all portions of a skins

2

(c) Dycing: Leather treated with synthetic (Coal tar) dyc/s thus imparting a medium/dark shade;

3

- (d) Fatliquoring;
- (e) Sitting;
- (f) Staking/Bearding;
- (g) Buffing to produce a suede nap;
- (h) Raising a suide nap by dry drun ning/paith whiching/ Buffing;
- (i) Shaving/snuffing of the grain;
- (2) From goat and sh ep skins
- (A) Glazed gar neut/glazed napper leather

Shall be drum dyed and finished with a protective coat and glazed, soft and have drap;, involving the fellowing minimum eperations in manufacture:

- (a) Livelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Ccal Tar) dye/s thus imparting a medium dark shade; or leather Dyed in Light Colour and distinctly different from chreme/veg/combination tanned Crush Leather.
- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/BJarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mochaical a cans,
- (h) Protective Ccat;
- (i) Glazing;
- (B) Grain or nappa garment/clathing/ jerkin leather.
- Shill be drum dyed, shall be seft and have drap. Shall be finished with pretective coat involving following minimum operations in manufacture, namely:
 - (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of skin or hide excluding bellies and shanks;
 - (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting medium/dark shade: or kather Dyed in Light Cole ur and distinctly different from chreme/veg/combination Tanned Crush leather.
- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Bearding;
- (f) Producing a chan flesh side by machanical means;
- (g) Protective Ccat:
- (h) Plating /Embossing lroning/or Polishing;

(In case of leathers from E.I. stock operations of combinations tanning shall also be involved).

[भाग [— धवट 1] 2 3 1 (C) Suede clothing/s tede garment/ Shall be drum dyed, having suede nap on the flesh side. Shall be soft and have drape. The grain side shall be shaved shirting suede. and/or snuffed. Shall involve following minimum operations in manufacturer: (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise in all portions of skin or hide excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing : leather treated with synthetic (Ccaltar) dyc/s thus importing a medium /dark shade; (d) Fatliquoring; (e) Setting; (f) Staking/Boarding: (g) Buffing to produce a suede nap. (h) Raising a suede nap by drumming/plush wheeling/Buffing; (i) Shaving/snuffing of the grain. (D) Tie and dye leathers. Usually dyed on the grain side with different patterns and (I) Grain finish d. shades. Shall be soft. Shall involve following minimum operations in manufacture. namely: (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm if not specified otherwise in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Cal tar) dye/s thus importing a medium/dark shade; (d) Fatliquoring; (e) Setting; (f) Staking/Boarding; (g) Producing a clean flesh side by mechanical means. Shall be soft dyed on the flesh side with different patterns (II) Suede finished. and shades. Shall be soft and have drape and suede nap. The grain side shall be shaved and/or snuffed.

Shall involve following minimum operations in manufacture,

namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing : leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus importing a medium/dark shade;

32	THE GAZETTE	OF INDIA: EXTRAORDINARY [PART İ—Sec. 1]
1	2	3
		(d) Fatliquoring;
		(e) Setting;
		(f) Staking/Boarding;
		 (g) Buffing to produce a suede nap; (h) Raising a suede nap by dry drumming/plush wheeling/Buffing (i) Shaving/snuffing of the grain.
(ii) Glove Le	eathers.	
(l) Dress	s glove/Fine gloving leathers.	Made from kid/lamb/sheep/goat skins/cow/cow calf and usually chrome/aluminium/combination tanned. Shall be soft and capable of being stretched without springing back (run). Minimum run shall be 25°. Thickness shall not exceed 1mm.
(A) Grain	Finished.	Shall be dyed to a level and uniform shade and plus wheeled on the grain.
		Shall involve following minimu n operations in manufacture, namely:
		(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
		(b) Dycing: lether treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;
		OR
		Leather dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination Tanned Crust Leather.
		(c) Fatliquoring;
		(d) Staking/Boarding;
		(e) Producing a clean flesh side by mechanical means.
		(f) Ironing/Polishing;
		OB
		Plush wheeling;
		(g) Such leather will have a Wax Coat on the top.
(B) Suede f	finished.	Shall be drum dyed to a level and uniform shade with full penetration and have suede nap on the flesh side. The grain side shall be shaved and/or snufied;
		Shall involve following minimum operations in man ifacturing, namely:
		(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise in all portions of a skin or hide; excluding bellies and shanks;
		(b) Combination tanning;
		(c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium dark shade:
		A1X PE-411

(d) Fatliquoting;

2

3

- (e) Staking Boarding;
- (f) Buffing to produce a suede nap.
- (g) Raising a suede nap by dry drumming/plush wheeling/ Buffing;
- (h) Shaving/Snuffing of the grain.

Made from kid/lamb/sheep/goat/calf skins and usually chrome/aluminium/combination tanned.

Shall be level in substance and soft. Shall be drum dyed and shall be finished with a protective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;
- (c) Fatliquoring;
- (d) Staking/Boarding;
- (e) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (f) Protective Coat;
- (g) Plating/Embossing;

OR

Ironing/Polishing;

OR

Plush wheeling;

(in case of leathers from E.I. stock, operations of combinations tanning shall also be involved).

Shall be level in substance and soft,

Shall be drum dyed including splits from cow and buffalo hides, Shall be drum dyed to uniform and level shade, having uede nap on the flesh side. The grain side shall be shaved and/or snuffed.

Shall involve following minimum operation in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm if not specified otherwise in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Dye-ng: leather treated with synthetic (Coai Tar) dyes/thus imparting a medium/dark shade;
- (c) Fatliquoring;
- (d) Staking/Boarding;
- (e) Buffing to produce a suede nap;

- (2) Utility Glove leather.
- (A) Grain finished.

(B) Suede finished

34 THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY 1 2 3 Buffings; (g) Shaving/snuffing of the grain. nations tanning shall also be involved). (iii) - Industrial Leathers with . precision gauge where it has 100 divisions to 1 mm. naisely: or hide excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Fatliquoring; (d) Setting; (c) Staking/Boarding; (f) Producing a clean flesh side by mechanical means; (g) Shaving/snuffing of the grain. (iv) Lining Leathers (1) From cow and bufallo hide & Calf skins shall not exceed 1mm. Grain Finished lining leathers Shall be finished with a protective Coat. Shall involve following minimum operations in manufacture: or hide excluding bellies and shanks; thus imparting a medium/dark shade; OR Leather dyed in light colour and distinctly different from

(f) Raising suede nap by drying drumming/plus wheeling/

(in case of leathers from E.I. stock, operations of combi-

Made usually from lower grade of goat/calf/sheep skins. Chrome or combination tanned and shall not shrink linerally more than 3% after 15 minutes boiling test at 100°C. Chrome content Cr. 203 minimum 2.5% based on 14% moisture. Substance minimum 0.5 mm but not exceeding 0.6 mm. This substance to be verified

Shall involve following minimum operations in manufacture,

(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 inm, if not specified otherwise, in all portions of a skin

Usually chronic/Vegetable/Combination tanned. Thickness

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm if not specified otherwise in all portions of a skin
- (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s

chrome veg/combination tanned crust leather colour;

- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flish side by mechanical means:
- (g) Protective Coat;

1 2 3

(b) Glazing;

OR

Plating/Embossing;

(In case of leathers from E.I. steek operations of combinations, tanning shall also be involved.).

NOTES. -- In case of Cow Hide/side leathers only, operation

- (g) of the norms i.e. Protective Coat is not to be applied. For Dyeing, leather should be treated with Synthetic (Coal tar) Dyes thus impurting a medium/dark shade.
- (2) From Goat /Ki l/lamb/sheep skins
- (i) Grain finished lining leathers.

Usually chrome/vegetable/combination tanned.

Shall be finished with a pretective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding belies and shanks;
- (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Ccal/tai) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Leather dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Bearding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat;
- (h) Glazing;

OR

Plating/Embossing;

(in case of leathers from E.J. stock, operations of combinatations tanning shall also be involved).

2. (ii) Heel Grip Suede Lining Leath 'rs.

Shall be chrome/combination tanned and drum dyed having sucde map on flesh side with reasonable softness. The gruin shall be shaved/snuffed. It shall undergo the following operations:

- (a) Levelling with a tolerance of ±0.2mm.
- (b) Combination tanning;

2

3

- (c) Dyeing: Leather treated with synthetic (Ccal tar dye/s thus imparting a medium/dark shade
 - (d) Fatiliquoring;
 - (e) Setting;
 - (f) Staking/boarding;
 - (g) buffing to produce a suede nap.
 - (b) Shaving/snuffing of the grains.
- (v) Miscellaneous leathers.
- (1) Chamois leathers.

Made from goat/sheep skins from which the grain is removed by splitting or shaving. Tanned by processed involving oxidation of fish, marine and/or synthetic oils either solely (Full Oil chamois) or First aldehyde tannage and then such oils (a combination chamois). shall be degreased, wrung out dried and buffed on both sides to produce a valvety nap. Shall be free from dust particles as far as possible.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
 - (b) Staking/Boarding;
 - (c) Buffing to produce a suede nap;
 - (d) Shaving/snufflug of the grain.

(2) Laminated leathers.

Chrome/combination tanned split leathers lamniated with textile, PVC or urethane transfer films. Sometimes acrylic ornitrocellulose films are also used. They are finally plated or embossed. Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks:
 - (b) Fatliquoring;
 - (c) Setting;
 - (d) Staking/Boarding;
 - (e) Producing a clean flesh side by mechanical means:
 - (f) Plating/Embossing; (in case of leathers from E.I. stock, operations of combinations tanning shall also be involved).

2

3

- (3) Screen/Blockleathers.
- Made from all types of hides and skins or splits and usually chrome/vegetable/combination tunned. Screen or block printed; printed on the grain or sucde side into designs using coal tar dyes/pigments. Shall be suitably fixed so as to be fast to wet and dry rubbing.
 - (A) Shall involve following minimum operations inmanufacture on the grain side namely:
- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or nide, excluding bellies and shanks.
- (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Dycing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour.

- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat;
- (h) Glazing;

OR

Plating/Embossing;

(in case of leather from E.I. stock operations of combinations tanning shall also be involved).

- (B) Shall involve following minimum operations in manufacture on the suede side, namely:
- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise in all portions of a skin hide excluding bellies and shanks;
 - (b) Combination tanning;
- (c) Leather tiented with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Buffing to produce a suede nap;

1 2 3

- (h) Raising a suede nap by dry druming/plus wheeling/Buffirg(i) Shaving/snuffing of the grain.
- (4) Flock printed leathers.
- Made from all types of hides and skins of splits and usually chrome/vegetable/combination tauned.

Flock printed: printed on the gain or sucde side with synthetic fibres (flocks) by suitable techniques.

- (A) Shall involve following minimum operations in manufacture on the grain side namely:
- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 02.mm if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Ccal tar) dye/s thus imparting a m dium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour.

- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means; (in case of leathers from E.I. stock operations of combinations tanning shall also be involved).
- (B) Shall involve following minimum operations in manufacturing on the suede side, namely:
- (a) Levelling the substance with a variation of not nore than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leathers treated with synthetic (Ccaltar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

Oľ.

Dyeing: Leathers dyed inlight colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- e) Setting;
- (f) Staking/Bearding;
- (g) Butting to produce a suede nap;
- (h) Raising a suede nap by dry drumming/4 lush wheeling/ Buffrng:
- (i) Shaving/snuffing of the grain;

2 (5) Embossed leathers.

Made from all types of hides & skins, including splits. usually, chrome/vegetable/combination tanned. May be full grain or corrected grain. Shall be finished with a protective coat and embossed.

3

Shall involve following minimum operations in manufacturing namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Dyeing ; leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade—is optional;
- (c) Fatliquoring:
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat;
- (h) Glazing or Plating/Embossing. (In case of leathers from E.I. stock, operations of combinations tanning shall also be involved.)

Shall be drum dyed and finished with wax/oil for pull-up effect. Shall produce a distinct pull-up effect showing a contract from the base. Leather should retrieve original colour on release.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Leveiling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dycing: Leather treated with synthetic (Coal tar) dyes thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Fat liquoring;
- (c) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;

(VI) Shoe upper leathers:

(6) Pull-up leathers.

- Skins:
 - (A) Aniline buff calf/Aniline cow calf/ Aniline side leathers.
- (1) From cow and buffalo Hides and calf/ Unless otherwise specified, shall be chrome/combination tanned Leather processed for upper part of footwear. Drum dyed and finished with protective coat with visible grain. Shall inolve following minimum operations in manufacture, namely: --
 - (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;

1 2 3

- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeig: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Glazing;

OR

Plating/Embossing.

(I) Semi-aniline/aniline look/mock aniline sides or calf leathers.

May be full grain or corrected grain and finished with a protective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Levelling the susbstance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks:
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Glazing:

OR

Plating/Embossing;

(II) White/off white leather.

2

3

- Full grain & finished with a protective coat:

 Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—
- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat;
- (h) Plating/Embossing

OR

Iroing/Polishing;

(B) Box/Willow/coloured calf and side leather.

Drum eyed and finished with protective coat. Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a vriation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dycing: Leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Plating/Embossing;

OR

Glazing;

(C) Retan/corrected grain/semi chrome upleath r.

May be full grain or corrected grain. Shall be finished with protective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning:
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s

42 THE GAZETTE OF INDIA; EXTRAORDINARY [PART I—SEC. 1] 2 1 3 thus imparting a medium/dark shade: (d) Fatliquoring; (c) Setting; (f) Staking/Boarding; (g) Producing a clean flesh side by mechanical means; (h) Protective Coat; (i) Plating/Embossing; (D) Embossed/printed/Zug grain upper May be full grain or corrected grain and shall be finished with leather. protective coat and embossed. Shall involve following minimum operations in manufacture, namely :-(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade; OR Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour: (d) Fatliquoring; (e) Setting; (f) Staking/Boarding; (g) Producing a clean flesh side by mechanical means; (h) Protective Coat; (i) Plating/Embossing; (E) Napa/Softy/Booty upper leather. Shall be soft/pliable and shall be finished with protective coat. Shall involve following minimum operations in manufacture, namely :-(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s

thus imparting a medium/dark shade;

(d) Fatliquoring;(e) Setting;

(f) Staking/Boarding;

Leather dyed in light Colour and distinctly different from chrome/vegetable/combination Tanned Crust leather.

2

3

- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Plating /Embossing;

OR

Ironing/Polishing;

(F) Patent/Wet look/polyurethane finished leather.

Shall be finished with protective coat where topping is done with polyurethane/varnish to give a highly glossy surface.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Ccal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers d, ed in light Colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat.
- (G) Shurnken grain/Relax leathers.

Shrunken grain or shrunken pattern produced in tanning or in retaining or by any other suitable process and shall finished with a protective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dycing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Fatliquoring;
- (e) Staking/Boarding;

OR

Dry drumming;

- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat;

3

(H) Hurache/Woven Mesh leathers.

2

Shall be vegetable/retanned/combination tanned. Shall be drum dyed, lightly fatliquored and finished with a protective coat, used for insole also.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than
 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: Leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat
- (h) Glazing;

OR

Plating/Embossing;

(1) Metallic finish/Pearlised/Pearl finished leather.

May be full grain or corrected grain. Shall be finished with a protective coat where topping is done with metallic or pearl essence lacquers.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks:
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar)/ dye/s thus impaarting a medium/dark shade.

OR

Dycing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour.

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Plating /Embossing;

(J) Hunting calf /Suede upper/shoe suede/ Rough-out /imitation Sambhar leather.

2

Shall be drum dyed to a level and uniform shade, having the required nap on the flesh side. The grain side shall be shaved and/or snuffed. Thickness shall not be less than 1.2 mm

3

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing : leather treated with synthetic (Ccal tar) dyc/s thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Fatliquoring;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Buffing to produce a suede nap;
- (g) Raising a suede nap by dry drumming/plush wheeling/ Buffing;
- (h) Shaving/snuffing of the grain.

Shall be drum dyed and on ruubbing should show a distinct gloss with a darkening of the shade giving rise to burnishing effect. When tested, should show the presence of wax.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwsie, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tannning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Burnishable effect.

(L.) Coloured Nubuck Leather

Shall be drum dyed to a level and uniform shade with full dye penetration and shall have velvety nap on the grain side.

Shall undergo the following operations:

- (a) Levelling the substance with a tolerance of +0.2mm.
- (b) Combination tanning:
- (c) Dyeing: leathers treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

(K) Burnishable leather.

46 THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY 2 3 1 (d) Fatliquouring; (c) Staking/Boarding; (f) Producing a clean flesh side by mechanical means; (g) Buffing to produce a suede nap on the grain Made from goat/kid/lamb/sheep, skins and shall be chrome/ (2) From goat/sheep skins combinaton tanned, unless otherwise specified, processed for upper part footwear. Drum dyed and finished with protective coat with a visible (A) Aniline Upper leather. grain. Shall involve following minimum operations in manufacture, namely: (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherswise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning: (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar, dye/s thus imparting a medium/dark shade; OR Dyeing: Leather dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour; (d) Fatliquoring; (e) Setting; (f) Staking/Boarding; (g) Producing a clean flesh side by mechanical means; (h) Protective Coat; (i) Glazing; (i) Plating/Embossing; May be full grain or corrected grain. (I) Seni-aniline/Aniline look/Mock aniline Shall involve following minimum operations in manufacture upper leather namely: (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks: (b) Combination tanning; (c) Ducing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus impartng a medium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;

[WH I—NS 1]

2

3

- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
 - (i) Glazing;

OR

Plating/Embossing;

(II) White/Off white leather.

Full grain finished with protective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat;
- (h) Plating/Embossing;

OR

Ironing/Polishing;

(B) Glazed kid/Glazed goat or sheep/coloured kid or goat leathers.

Made from kid/goat/sheep skins. Shall be drum dyed and finished with a protective coat.

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:—

- (a) Levelling the substance with variation of not more than
 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar), dye/s thus imparting a medium /dark shade;

OR

Leather dyed in light colour and distincitly different from chrome/veg /combination Tanned Crust leather.

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Bearding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Glazing;

or goat or sheep leathers.

(C) Goat or sheep upper/resin finished kid May be full grain or corrected grain. Shall be finished with a protective coat.

> Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:-

3

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning:
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium /dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Plating/Embossing;

OR

Ironing/Polishing;

(D) Nappa/Softy booty upper leathers

Shall be soft/pliable and shall be finished with a protective

Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:-

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2 mm, if not specified otherwise in all portions of a skin of hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dycing: Leather treated with synthetic (Ccal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Leather dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination Tanned crust leather.

- (d) Fatliquoring;
- (c) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (h) Protective Coat;
- (i) Plating/Embossing;

OR

Ironing/Polishing;

[माग∐——खंड ≀] 49 2 1 3 (E) Patent/Wet look/polyurethane Shall be finished with protective coat where topping is done finished leather. with polyurethane/varnish to give a highly glossy surface. Shall involve following minimum operations if manufacture, namely: (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skins or hide, excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing : leather treated with synthetic (Ceal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade; Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination tanned crust leather colour; (d) Fatliquoring; (c) Setting; (f) Staking/Boarding; (g) Producing a clean flesh side by mechanical means; Shrunken grain or shrunken pattern or crushed effect (F) Shrunken grain/relax leather/crushed product in tanning or by any other suitable process. kid leather. Shall be finished with a protective coat. Shall inovolve following minimum operations in manufacture, namely: (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and thanks: (b) Combination tanning; (c) Dyeing: leather treated with synthetic, (Ceal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade; OR Leather dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/combination Tanned Crust Leather. (d) Fatliquoring; (e) Staking/Boarding; (f) Dry drumming; (g) Producing a clean flesh side by mechanical means; (h) Protective Coat. Gold and silver kid: gold or silver foil papers applied to the (G) (I) Gold and silver kid leather grain surface of the leathers with suitable bottoming and plated. Shall involve following minimum operations in manufac-

ture, namely:

(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin

or hide, excluding bellies and shanks;

- (b) Combination tanning;
- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;

3

- (g) Plating/Embossing;
- leather

(II) Metallic finished/Pearlised/pearl finish Metallic finish/pearl finish leather; Shall be finished with protective coat where topping is done with metallic or pearl essence lacquers.

> Shall involve the following minimum operations in manufacture, namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Dyeing: Leathers dyed in light colour and distinctly different from chrome/veg/com bination tanned crust leather colour;

- (d) Fatliquoring;
- (e) Setting;
- (f) Staking/Boarding;
- (g) Producing a clean flesh side by mechanical means
- (h) Protective Coat;
- (i) Plating/Embossing.

(H) Morocco leathers

- Made usually from goat skins by vegetable/combination tanning; Characteristic grain pattern developed by hand boarding or by mechanical means. Shall be drum dyed and finished with a protective coat. Shall involve the following minimum operations in manufacturing, namely:
- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks;
- (b) Combination tanning;
- (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dyes/ thus imparting a medium/dark shade;
- (d) Setting;
- (e) Staking/Boarding:
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means;
- (g) Protective Coat:

[भाग [—खड (])] भारतकारजिपक्ष ग्रन्थारण 3 2 1 (h) Glaxing; OR Plating Enbossing. Made from goat skins usually vegetable/combination tanned. (I) Plated/mesh/woven/Strap/Tresco lightly fatliquored and toggle dried. leathers Shall involve the following minimum operations in manufacture, namely; (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not spe ified otherwise, in all portions of a skin of hide, excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dueing: Leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade; (d) Fatliquoring; (e) Setting; (f) Producing a clean flesh side by mechanical means; (g) Protective Coat; (h) Glazing; OR Plating/Embossing. Shall be drum dyed to level and uniform shade, having suede (I) Suede upper/Shoe suede upper leather nap on the flesh side. The grain side shall be shave and/ or snuffed. Shall inolve the following minimum operations in manufacture, namely:--(a) Levelling the susbstance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Coal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade; (d) Fatliquoring; (e) Setting;

(f) Staking/Boarding;

removal of grain.

Buffing:

(g) Buffing to produce a suede nap;

(h) Raising a suede nap by dry drumming/plush wheeling/

(i) Shaving/snuffing all along the backbone (from back to tail) to a minimum width of 6" and a visible evidence of

THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY 52 2 1 Shalll be drum dyed and on rubbing should snow a distinct (K) Burnishable leather gloss with a darkening of shade giving rise to a burnish able effect. When tested, should show the presence of wax. Shall involve following minimum operations in manufacture, namely:--(a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, if not specified otherwise, in all portions of a skin or hide, excluding bellies and shanks; (b) Combination tanning; (c) Dyeing: leather treated with synthetic (Ccaltar) dye/s thus imparting a medium/dark shade; (d) Fatliquoring; (e) Setting; (f) Staking/Boarding; (g) Producing a clean flesh side by mechanicaal means; (h) Burnishable effect; (vii) Sole Leather. Vegetable/Combination tanned sole leather. ing minimum operations in manufacture, namely:

Heavy substance leather made from buffalo or heavy exhides. Shall be fully vegetable combination tanned. The grain side will be set smooth and rolled. Shall involve follow-

(a) Fatliguroing;

OR

Oiling.

- (b) Setting;
- (c) Rolling.

- (viii) Upholstery Leatl er.
- (i) Nappa Upholstery/Automobile 'Furniture upholstery leathers.

Made from cow and buffalo hides and calf skins, goat and sheep skins. Shall be chrome/combination tanned and may be full grain or corrected grain. Shall be finished with protective coat.

Shall involve following minimum operatios in manufacture, namely:

- (a) Levelling the substance with a variation of not more than 0.2mm, it not specified otherwise in all portions of a skin or hide excluding bellies and shanks:
- (b) Dyeing: leather treated with synthetic (Ccal tar) dye/s thus imparting a medium/dark shade;

OR

Leather dyed in light colour and distinctly different from chrome/vegetable/combination Tanned Crust leather.

- (c) Fatliquoring;
- (d) Setting;

2

3

- (e) Staking/Boarding;
- (f) Producing a clean flesh side by mechanical means.
- (g) Protective Coat;
- (h) Glazing;

OR

(i) Plating/Embossing.

(in case of leathers from E.I. stock, operations of combinations tanning shall also be involved).

Note.—Any new type of finished leather not covered above may be permitted for export, subject to testing and certification by the Central Leather Research Institute.

Definitions of manufacturing operations:

- A--1. Buffing -An operation to produce a clean flesh surface on leather by the action of an emergy wheel or a buffing machine.
- A -2. Combination Tanning—Tanning with more than one kind of tanning agent, such as mineral tanning and vegetable tanning and/or syntan tanning and/or resin tanning and/or aldehyde tanning and/or cil tanning in any sequence, mineral tanning being compulsory.
- A -3. Dry Drumming—The process of drumming dry leather carried out to soften the leather and/or open up nap in suede leather.
- A-4. -Dyeing—Treating the leather with a solution of synthetic (Ceal tar) dye/s to import coleur to it which is medium or dark or light and distinctly different from the colour of chrome/vegetable or combination crust leather.
- A-5. Embossing—Producing a raised pattern by pressure and heat upon the grain side of the leather. The pattern may be on a plate or roller according to the type of machine.
- A-6. Fatliquoring—Treating the leather with oil and/or fat, emulsified in water for rendering the leather soft.
- A-7. Glazing—The process of producing a high glass by polishing grain surface of leather under heavy pressure of a roller of agate, glass or steel.
- A—8. Ironing—Process of hot pressing the finished leather with a laundry iron to give the leather a smooth appearance. Ironing may be done by a hand iron or by an electrically heated ironing machine.
- A -9. Levelling—Reducing by any mechanical means like splitting and/or shaving and/or buffing the substance of a particular side/piece of leather to uniform thickness throughout with an admissible tolerance.
- A-10. Oiling—The process of rubbing oil on the grain side of wet or sammed leather with the object of making the leather Soft and pliable; in the case of vegetable tanned leather also to protect the colour of tannage from darkening by exidation.
- A-11. Plating—Producing a smooth grain surface of leather by pressing it on a bed with a smooth heated metal plate under pressure using a hydraulic press or roller.

- A—12. Plush Wheeling—A mechanical operation for producing a fine and smooth surface on leather; also carried out to get velvety appearance on the flesh side of leather by revolving action of felt or plush wheel.
- A—13. Protective Coat—The protective coat shall consist of (i) binder with pigment or (ii) binder with dye or (iii) binder with dye and pigment. The binder will consist of proteinous substances like (i) Casein or (ii) synthetic resin or (iii) A blend of protein substances and synthetic resin binder. The protective coat will also be topped with (i) formadehyde or (ii) formadeyde and casein or (iii) lacquer or (iv) lacquer emulsion or (v) vivls or (vi) polyurethanes or a combination of them depending upon the compatibility.

The protective coat shall form a unform film which shall be fast to wet and dry rubbing as per the test specified below and shall be visible. If necessary microscopic examination of the surface at 32 times magnification shall be carried out to detect the protective coat (see Note).

Note 1—Binocular stereoscopic microscope with two converging objectives (magnifying power of each of the two eye pieces 8X and magnifying power of each of two objectives 4X) will be required. The object should be viewed at a total magnification of 8×4 times (32X). Stereoscopic microscope gives a three dimensional view of the object.

Leather sample to be examined is placed on the stage of the microscope with the grain facing the objectives and then the surface is focused. Two or three places in each of the five locations, namely butt, belly (one on each side of the backbone line) and neck or shoulder examined.

To the naked eye, the grain surface may appear to be plain but when focused under the microscope, innumerable depressions can be seen on the surface. These depressions are due to cleavage lines and hair press. If protective coat is sprayed on the grain surface, it will be present throughout including depressed are as and both the depressed and other areas will produce the same type of reflection which is clearly visible under the microscope. If the leather is glazed without having a protective coat, depressed are as will not be glazed due to the very narrow width of the depression, as they will not come in contact with the glass slab of the glazing machine. Thus, these two areas will produce two different types of reflection From these reflections it can be easily detected whether protective coat is present or not. Again, if a thin protective coat, prepared with a pigment and binder is applied on the grain surface, it is easily detectable from the presence of small solid particles.

- Note 2.—The protective coat shall stand a minimum of 256 revolutions to grade 4 on Grey Scale (1-5) when tested on SATRA rub fastness tester for both dry and wet rubbing.
- A-14. Rolling—The process on subjecting heavy leather to the action of smooth brass or gun metal solid cylinder which moves on the grain surface of the leather under considerable pressure. The action makes the surface smooth and stiffens the feel. Light leathers may be sometimes rolled with a little pressure with the object of smoothening the grain surface but not for stiffening the feel.
- A-15. Setting—The precess of stretching out the leather to remove growth and fold marks as well as any coarseness of the grain hereby making the leather surface flat and smooth.
- A-16. Shaving—A mechanical operation of seducing the substance of leather to uniform thickness by scrapping off layers from flesh or grain side.
- A-17. Snuffing.—The process of lightly buffing the grain side of leather usually done by the buffing machine, with visible evidence of removal of grain
- A-18 Staking/Boarding.—The process of flexing and stretching the leather to separate fibres sticking together and thus making it soft, is staking. Bearding the leather consists in working up a grain pattern by means of a cork board or by machine. The leather is also broken up and softened by boarding.
- A-19. Stuffing/Currying. -Impregnation/incorporation of oils, fats, greases and waxes in leather to give it increased tensile strength, flexibility and water resistant properties.

- A --20. Suede Nap.: buffing to procure---An operation to produce a velvety nap on the flash side by buffing, using different grits of emery paper.
 - A -21. In case of burnishable leathers, the coat will be examined by adopting the following method:
- Note. 3—Any deficiency in the degree of mechanical operations shall not be a disqualification except in the case of Shaving (A. 16), Snuffing (A.17), Buffing (A.1) and Suede Nap (A.20).
 - 2. This has been issued in public interest.

D.R. MEHTA,
Chief Controller of Imports & Exports.